वर्ष-14, अंक-264
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

प्रेम सिर्फ अपने काम और ईश्वर से करो, क्योंकि ये दोनो कभी धोखा नहीं देते।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 28 दिसंबर 2023

पेज-4

सावधान...सावधान...

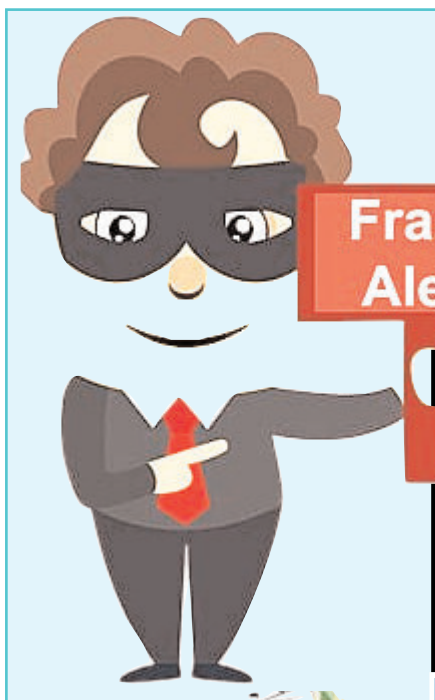

खंडवा रोड विंध्याचल कॉलोनी मे छल और धोखे से बेचे जा रहे प्लॉट

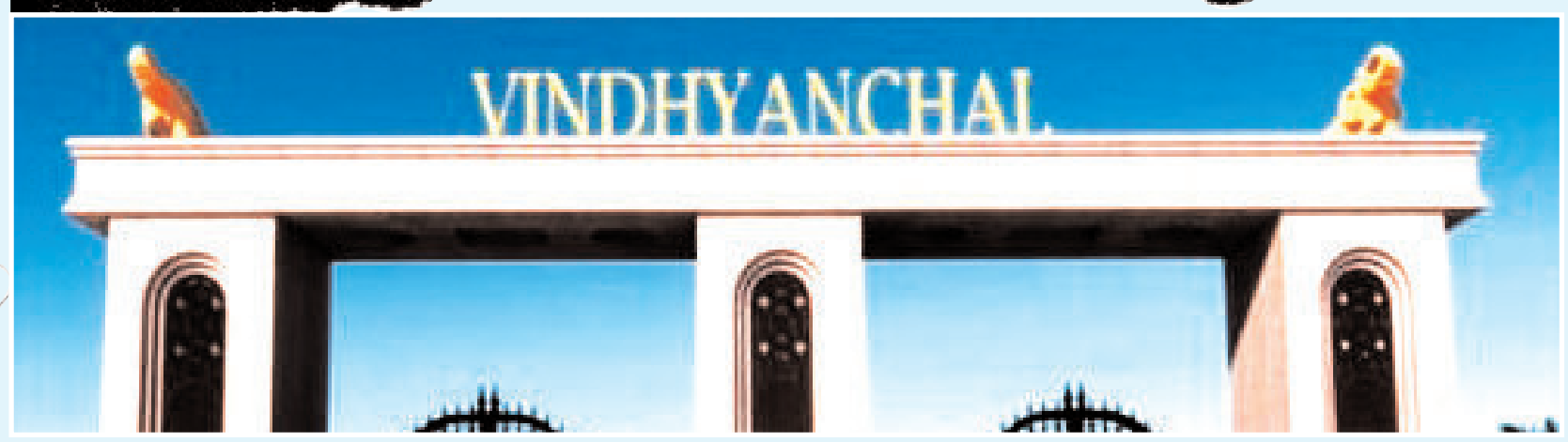

इंदौर। वस्तुलैंड रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड इंदौर में करोड़ो का घपला करके भागी कंपनी जिसके निर्देशक योगेश बाबूराव कैकड़े, संजय बाबूराव कैकड़े, कृष्णा केशवराव केकड़े और संतोष केशराव केकड़े हैं इंदौर कि भोली-भाली जनता को खंडवा रोड कनाड के पास विंध्याचल नामक कॉलोनी का सपना और सब्जबाग दिखा कर चमक धमक वाले ऑफिस खोलकर कलर फुल सुन्दर ब्रोसर बड़े बड़े बैनर छपवा कर 420 कर छल से मार्केटिंग द्वारा प्लाटो की बुकिंग करवाई इन सभी चारसौबिसियो से अंजान जनता ने अपने खून पसीने की कमाई के पैसे प्लाटो पर लगा दिया पर ना तो प्लॉट मिले ना ही पैसा। हुआ यूँ कंपनी ने आखिर कर अपने को दिवालिया घोषित कर दिया है और हद तो तब हो गई जब कि ये सभी खसरे जो आगे दर्शये गये है कि सा नो से कब्जीयाई जमीने है इन जमीनों की ना ही रजिस्ट्री है और ना ही नामांतरण फिर भी जमीन पर प्लाटो को बेचा जा रहा है । एक तो पहले भी खंडवा रोड कनाड विंध्याचल कॉलोनी में इसी तरह जमीन पर प्लॉटो को बुक कर के जनता के साथ ठगी की गई थी और अभी तक ना ही प्लॉट दिये गये ना हीं पैसे , जब की अब फि रसे कुख्यात भूमाफिया ने संजय बाबूराव केकड़े, कमल पिरयानी और आदि ने उसी विंध्याचल कालोनी मे झूठा डेवलोपमेन्ट दिखाकर अखबारों व पेपरो मे झूठे छलावा विज्ञापन देकर जबकि विंध्याचल का लो नी का TNCP नक्शा आदि की समय सीमा भी खत्म हो कर जब्त हो चुका है फिर भी प्लाटो को बेचा जा रहा है 74, 75/2, 75/4, 76/2, 198/1/2, 197/2, 197/3, 198/1/3, 197/5, 198/1/5/1, 197/4, 198/1/4, 194/2, 195/2, 196, 197/1, 198/1, 193/2, 194/1, 194/3, 195/1, 201/1, 201/2, 201/3, 201/4, 198/1/5/2, 72, 190, 191 181/1, 183, 184, 185, 186, 121/1, 118, 187 सावधान रहे ...खड़वा रोड कनाड के पास विंध्याचल मे प्लॉटो की खरीदी विक्री ना करे।

---

7 शव जलकर एक-दूसरे से चिपक गए

गुना बस हादसे में 13 लोग जिंदा जले

गुना। मध्यप्रदेश के गुना में बुधवार देर रात डंपर से टक्कर के बाद यात्री बस में आग लग गई। दिल दहा देने वाले इस हादसे में 12 लोग जिंदा जल गए। वहीं, डंपर के ड्राइवर की भी मौत हो गई है। इस तरह हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है। प्रशासन ने इसकी पुष्टि की है। करीब 16 लोग झुलस गए। उन्हें जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। हादसा बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे हुआ। बस गुना से आरोन की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक डंपर से बस की टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस पलट गई और उसमें आग लग गई। दो से ढाई घंटे की मशक्कत के बाद बस में लगी आग पर काबू पाया जा सका। गुना के एसपी विजय कुमार खत्री ने बताया कि बस में करीब 30 सवारियां थीं।

7 शव चिपके हुए थे: हादसे की वीभत्सता इसी से समझ सकते हैं कि शव को उठाने में भी अंग गिर रहे थे। कुल 13 शव मिले। बस के अंदर से जो 9 शव निकाले गए, उनमें 7 एक-दूसरे से चिपके थे। इनको बाहर निकालने तक में कर्मचारियों के हाथ कांप रहे थे। शव ऐसे जले कि घरवाले तक नहीं पहचान पाएंगे। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि घाटी पर चालक न्यूट्रल में डंपर उतार रहा था। इसी दौरान स्टीयरिंग और ब्रेक जाम हो गए और डंपर सीधे बस से जा टकराया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए और फंसे लोगों को निकाला। मौके पर स्छत्रत्र की टीम भी पहुंची। फिलहाल मृतकों की शिनाख्त नहीं की जा सकी है। गुना के जिला कलेक्टर तरुण राठी ने बताया कि हादसे में घायल हुए 14 लोगों को गुना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 11 लोगों की मौत की सूचना है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि गुना-आरोन मार्ग पर डंपर और बस की टक्कर होने से बस में आग लग गई। हमारी प्राथमिकता शवों को बरामद करना और घायलों का इलाज करना है। आगे की जांच जारी है। कलेक्टर ने बताया कि मृतकों की पहचान नहीं हुई है। अस्पताल में भर्ती कई की हालत गंभीर है।

मृतकों के परिवार को 4-4 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने हादसे की जांच के आदेश दिए। साथ ही मृतकों के परिवार को 4-4 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता देने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा- इस हृदय विदारक दुर्घटना में असमय मृत्यु को प्राप्त हुए दिवंगतों के परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। दु:ख की इस विकट परिस्थिति में प्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

रामलला की नई मूर्ति मंदिर में पहुंचने के बाद पहली वाली का क्या होगा?

रामलला अयोध्या के नए मंदिर में विराजमान होने के लिए तैयार हैं। 22 जनवरी को होने वाली उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियां जारी हैं। इसी बीच एक और सवाल उत्सुकता बढ़ाने लगा है कि नई मूर्ति मंदिर में पहुंचने के बाद पहली वाली का क्या होगा? कहा जा रहा है कि पहले से मौजूद राम मूर्ति को भी मंदिर में ही जगह दी जाएगी। हालांकि, इसे लेकर मंदिर ट्रस्ट की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

अयोध्या । फिलहाल छोटे मंदिर में रखी गई रामलला की दूसरी मूर्ति की की भी नई मूर्ति के साथ गर्भ गृह में ही प्राण प्रतिष्ठा की जा सकती है। साथ ही कहा जा रहा है कि नई को अचल मर्ति कहा जाएगा। जबकि, पुरानी की पहचान उत्सवमूर्ति के तौर पर होगी। फिलहाल, उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर काम जारी है।

'सूर्य स्तंभों' से सजाई जा रही सड़क: राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले शहर की एक प्रमुख सड़क को सूरज की थीम वाले 'सूर्य स्तंभों' से सजाया जा रहा है। तीस फुट ऊंचे प्रत्येक स्तंभ में एक सजावटी गोला है, जो रात में लाइट जलने पर सूर्य जैसा दिखता है। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अयोध्या संभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऐसे 40 स्तंभ 'धर्म पथ' मार्ग पर लगाए जाएंगे, जो नया घाट के पास लता मंगेशकर चौक को अयोध्या बाईपास से जोड़ता है। पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता ए.पी. सिंह ने बताया, 'नवनिर्मित राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा से पहले इन 'सूर्य स्तंभों' को स्थापित किया जा रहा है। इनमें से लता मंगेशकर चौक के पास सड़क के दोनों ओर 10-10 स्तंभ लगाए जाएंगे।'

अयोध्या धाम हुआ अयोध्या रेलवे स्टेशन का नाम: उत्तर प्रदेश के अयोध्या रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अयोध्या धाम जंक्शन कर दिया गया है। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से होने वाले उद्घाटन से कुछ दिन पहले की गई है। रेलवे बोर्ड में निदेशक (वैगन इंटरचेंज) अजय कुमार नौलखा ने उत्तर रेलवे के मुख्य वाणिज्य प्रबंधक को बुधवार को लिखे आधिकारिक पत्र में यह जानकारी दी। पत्र के मुताबिक, उत्तर रेलवे अंतर्गत लखनऊ रेल मंडल के अयोध्या जंक्शन का नाम अयोध्या धाम जंक्शन किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

डिजिटल लेनदेन के मामले में यूपी का देश में चौथा स्थान, एक साल में 3 गुना बढ़ा, नकदी में भी बढ़ोतरी

नई दिल्ली । डिजिटल लेनदेन के मामले में उत्तर प्रदेश ने जबर्दस्त वृद्धि दर्ज की है। केवल एक साल में डिजिटल लेनदेन की रफ्तार करीब तीन गुना हो गई। पांच साल की बात करें तो यूपी वालों ने छह गुना रफ्तार से डिजिटल बैंकिंग को अपनाया। प्रति व्यक्ति डिजिटल लेनदेन में यूपी का देश में चौथा स्थान है। दिलचस्प बात ये है कि नकद लेनदेन भी बढ़ा है। नोटबंदी के बाद करेंसी भी दोगुना हो गई है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के मुताबिक पिछले साल 426.68 करोड़ डिजिटल लेनदेन यूपी में हुए थे। इस साल ये संख्या बढ़कर 1174.32 करोड़ हो गई। एक साल की ये तेजी कोरोना काल से भी ज्यादा है। इसकी वजह डिजिटल बैंकिंग की आसान पहुंच, गांवों तक इंटरनेट कनेक्शन, वित्तीय जागरुकता और लेनदेन उपकरणों की पर्याप्त संख्या है।

सिंगल कॉलम

एमपीपीएससी-2019 का परिणाम प्रोविजनल, राज्य सेवा आयोग ने लिखित में माना

इंदौर। चार साल के इंतजार के बाद जारी राज्यसेवा परीक्षा-2019 का अंतिम परिणाम असल में अंतिम नहीं है। लोकसेवा आयोग (पीएससी) ने मंगलवार देर रात परिणाम तो जारी कर दिया, लेकिन नियुक्ति को लेकर अभ्यर्थी आश्वस्त नहीं हो पा रहे हैं। ताजा परिणाम के साथ पीएससी ने प्रावधिक यानी प्रोविजनल शब्द का इस्तेमाल किया है। मंगलवार रात परीक्षाओं के परिणाम में पीएससी चयन सूची घोषित करता रहा है। इस परिणाम के साथ पीएससी ने पहली बार प्रावधिक अंतिम चयन सूची शब्द लिख दिया है। चयनित अभ्यर्थियों में घबराहट है कि कहीं नियुक्ति खटाई में न पड़ जाए।घबराहट में चयनित अभ्यर्थियों राज्यसेवा 2019 का परिणाम कुल 44 पन्नों में घोषित किया गया है। पहले पन्ने पर अब तक हुई परीक्षाओं व चयन प्रक्रिया का ब्योरा देते हुए पीएससी ने बिंदु क्रमांक छह में लिखा है कि प्रावधिक चयन सूची घोषित की जा रही है। प्रावधिक चयन सूची का शब्द पूरे परिणाम के साथ पहली बार उपयोग तो किया ही गया है, पीएससी ने इसे अंडर लाइन भी कर दिया है। कुछ ही महीनों पहले पीएससी ने राज्यसेवा परीक्षा-2020 का अंतिम परिणाम जारी किया था। इस परिणाम के साथ आयोग ने सिर्फ अंतिम चयन सूची शब्द लिखा था। बीते कई परिणामों में भी ऐसा होता रहा है। परिणाम के सबसे अंतिम पन्ने पर आयोग के सचिव प्रबल सिपाहा के हस्ताक्षर के ठीक ऊपर पीएससी ने परिणाम पर टीप लिखी है। इसके चार बिंदुओं में स्पष्ट किया गया है कि कुछ रिक्तियों पर योग्य उम्मीदवार नहीं मिले और चयन सूची किस तरह व किन नियमों से बनाई गई है। पांचवें बिंदु में पीएससी ने चयन सूची के साथ प्रावधिक शब्द लिखने का कारण भी साफ कर दिया है। इस बिंदु में स्पष्ट रूप से लिख दिया है कि सुप्रीम कोर्ट में लगी दो याचिकाओं और उनसे संबद्ध याचिकाओं के साथ ही हाई कोर्ट में भी इस परीक्षा व प्रक्रिया को लेकर याचिकाएं लंबित हैं। घोषित किया गया चयन परिणाम इन याचिकाओं पर आने वाले कोर्ट के अंतिम निर्णय के अध्धधीन रहेगा घबराहट बेवजह नहीं राज्यसेवा-2019 पीएससी की सबसे ज्यादा उलझी परीक्षा बन चुकी है। 2021 में मुख्य परीक्षा का परिणाम पीएससी घोषित कर चुका था। आयोग पर सिविल सेवा नियमों का पालन नहीं करने के आरोप लगे और हाई कोर्ट के एक निर्णय के बाद उस परिणाम को रद करना पड़ा। बाद में एक अन्य याचिका के निर्णय के बाद पीएससी ने नया परिणाम घोषित किया। एक बार मुख्य परीक्षा होने के बाद 2700 से ज्यादा अभ्यर्थियों के लिए अलग से एक विशेष मुख्य परीक्षा आयोजित की गई। इसके बाद इंटरव्यू के लिए चयनित अभ्यर्थियों की नई सूची जारी कि जिसमें कुछ पुराने चयनित बाहर हुए और कुछ पूर्व में असफल चयन सूची में आ गए। इस बीच एक के बाद एक याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में दायर हुईं। सुप्रीम कोर्ट में दायर तीन याचिकाओं में पीएससी की प्रक्रिया को दोषपूर्ण बताते हुए फिर से मुख्य परीक्षा करवाने की मांग की गई है। 34 अन्य अभ्यर्थी जो पहली चयन सूची में होते हुए बाद में बाहर होने पर भी प्रक्रिया के खिलाफ याचिका दायर कर चुके हैं। दो परीक्षाओं से एक चयन और नार्मलाइजेशन के फार्मूले पर भी याचिका लंबित हैं। ऐसी ही कुछ याचिकाएं इंदौर और जबलपुर हाई कोर्ट में लंबित हैं, जिनमें पीएससी पर पूर्व में दिए कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करते हुए मनमानी प्रक्रिया करने के भी आरोप है। ऐसे में अब किसी एक भी याचिका का निर्णय यदि पीएससी के रुख के विरुद्ध आया तो पूरी चयन सूची रद होने या परिणाम बदलने की स्थित बन सकती है।

कांग्रेस की भारत न्याय यात्रा पर बोले मंत्री प्रह्लाद पटेल, जब साख खत्म हो जाती है तो कुछ काम नहीं आता

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कांग्रेस की भारत न्याय यात्रा पर बड़ा बयान दिया है। मंत्री पटेल ने कहा, जब साख खत्म हो जाती है तो कोई भी उपक्रम काम नहीं आता है। बात भरोसे की होती है, प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की वजह से देश का नौजवान और गरीब उनसे सीधे तौर पर जुड़ा है। बता दें साल 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले कांग्रेस सांसद भारत न्याय यात्रा पर निकलने वाले हैं। उनकी यह यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी। कैबिनेट मंत्री प्रहलाद ने ओंकारेश्वर में किया दर्शन-पूजन कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार रात ओंकारेश्वर पहुंचे। परिवार के साथ भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन और शयन आरती में शामिल हुए। बुधवार को निरंजनी अखाड़े और सोनी धर्मशाला ब्रह्मपुरी में बाबाश्री के जन्मोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। दोपहर में भोजन प्रसादी उपरांत उज्जैन के लिए रवाना हो गए। ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर के दर्शन उपरांत प्रहलाद सिंह पटेल ने मीडिया चर्चा में कहा कि नर्मदा के प्रत्येक भक्त को ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर से नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ कर अंत में आना होता है, पूरी होती है।

इंदौर के चंदन नगर थाने के दो पुलिसकर्मी लूट में गिरफ्तार

डीएसपी ने शिनाख्त के बाद वर्दी उतरवाई

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के एक थाने के दो सिपाहियों को बस चालक से 14 लाख रुपये लूट की पुलिस अधिकारियों ने ऐसी सजा दी है कि वह पुलिस विभाग में सबक बनेगी। पुलिस अधिकारियों ने लूट में शामिल होने वाले सिपाहियों की शिनाख्त के लिए पूरे थाने के स्टाफ को कतारबद्ध खड़ा कराकर परेड़ कराई। पुष्टि होते ही चंदननगर थाने के दोनों सिपाहियों की तत्काल वर्दी उतरवाई और गिरफ्तार कर हवालात में डालवा दिया। डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा का कहना है कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए दोनों सिपाहियों को सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। इसके लिए डीसीपी ने मामले की विभागीय जांच बैठा दी है। लूटे गए रुपये की बरामदगी के लिए दोनों सिपाहियों की रिमांड मांगी गई हैये है मामला डीसीपी जोन-4 आरके सिंह के मुताबिक, चंदननगर थाने के सिपाही योगेश सिंह चौहान और दीपक यादव को गिरफ्तार किया है। मामला 23 दिसंबर का है। इन दोनों सिपाहियों ने बस को रोका और चालक नरेंद्र तिवारी से 14 लाख रुपये से भरा पार्सल छीन लिया। दोनों ने चालक को धमकाते हुए कहा था कि पार्सल की जांच की जाएगी। इसके लिए पार्सल की थाने ले जाकर जब्ती दर्शाना है। इसके बाद दोनों सिपाहियों ने रुपये आपस में बांट लिए।मंगलवार को टीआइ इंद्रमणि पटेल ने बस चालक नरेंद्र तिवारी को पूछताछ के लिए बुलाया तो उसने कहा कि रुपये तो पुलिसवालों ने लूटे हैं। चालक को अहमदाबाद पहुंचाना था नोटों से भरा पार्सल दरअसल, पुलिस ने स्कीम-51 निवासी अंकित जैन की शिकायत पर बस चालक नरेंद्र तिवारी के खिलाफ हेराफेरी का केस दर्ज करवाया था। अंकित के कर्मचारी भाविक ने पार्सल चालक नरेंद्र को दिया था। उसे यह पार्सल अहमदाबाद के कन्हैयालाल पटेल को सौंपना था। पार्सल नहीं पहुंचने पर अंकित ने चंदननगर थाने में चालक नरेंद्र तिवारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। इसी कड़ी में मंगलवार को चालक नरेंद्र से पुलिस ने पूछताछ की तो उसने दोनों

पुलिसकर्मियों के नाम बताए। यह भी कहा कि वह तो अहमदाबाद पार्सल पहुंचाने जा रहा था, जिसे पुलिसकर्मियों ने छीन लिया। पूरे स्टाफ की शिनाख्त परेड इस पर एडिशनल डीसीपी जोन-4 अभिनय विश्वकर्मा थाने पहुंचे और पूरे स्टाफ की शिनाख्त परेड करवाई। चालक ने सिपाही दिनेश व योगेश को पहचान लिया। पुलिस ने महिला यात्री से भी पुष्टि की तो उसने कहा कि पुलिसकर्मियों ने करीब 20 मिनट तक बस की तलाशी ली थी। सख्ती करने पर सिपाही टूट गए और कहा कि गलती हो गई। कमिश्नर मकरंद देऊस्कर ने लूट की धारा लगाकर दोनों सिपाहियों की गिरफ्तारी करवा दी।

इंदौर में 14 जनवरी को भारत-अफगानिस्तान के बीच दूसरा टी-20 मैच

इंदौर। शहर के होलकर स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए सबसे महंगा टिकट 5,947 रुपये का होगा। 14 जनवरी को होने वाले मुकाबले के लिए मप्र क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) ने टिकटों की कीमत जारी की। मैच का सबसे सस्ता टिकट 743 रुपये का होगा। सामान्य प्रशंसकों को अंतरराष्ट्रीय मैच की दावत कुछ महंगी लग सकती है। इंदौर में पिछला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 4 अक्टूबर 2022 को खेला गया था। एमपीसीए के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रोहित पंडित के अनुसार पिछले टी-20 मैच की तरह ही पवैलियन के टिकटों की दरें रखी गई हैं। हालांकि गैलरी के टिकटों की दर में कुछ वृद्धि की गई है।टिकट आनलाइन उपलब्ध इंदौर में 14 जनवरी को होने वाला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला कृत्रिम रोशनी में खेला जाएगा।

फर्जी दस्तावेजों से लिया पौने आठ करोड़ का लोन, बैंक मैनेजर सहित नौ को कारावास

फर्जी दस्तावेजों से ले लिया था पौने आठ करोड़ ऋण

इंदौर निवासी मोहन यादव ने फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर अलग-अलग कंपनियां बनाई और ओबीसी बैंक के मुख्य प्रबंधक के साथ मिलकर करोड़ों का लोन ले लिया। बैंक मैनेजर सहित नौ को कारावास, कोर्ट ने अर्थदंड भी लगाया सीबीआइ ने आठ प्रकरण आरोपितों के विरुद्ध दर्ज किए थे

इंदौर। फर्जी दस्तावेजों के जरिए कागज पर कंपनियां बनाकर बैंक को पौने आठ करोड़ रुपये का चूना लगाने के मामले में विशेष न्यायालय ने बैंक के मुख्य प्रबंधक सहित नौ आरोपितों को पांच-पांच वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने 20-20 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है।

फर्जी दस्तावेजों से लोन

मामला वर्ष 2011 का है। घोटाले के मास्टर माइंड का नाम इंदौर निवासी मोहन यादव है। उसने फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर अलग-अलग कंपनियां बनाईं और ओबीसी बैंक के मुख्य प्रबंधक नरेश कुमार के साथ मिलकर अपने परिवार के सदस्य संदीप यादव, कैलाश यादव, दीपक यादव, मनमोहन यादव, राकेश चौधरी, अनिल पटेल और रजनी यादव के नाम से बैंक से

करीब पौने आठ करोड़ रुपये का ऋण हासिल कर लिया। बैंक प्रबंधक ने दस्तावेजों के फर्जी होने की जानकारी होने के बावजूद ऋण की स्वीकृति दी।

सीबीआइ ने दर्ज किए थे आठ प्रकरण

मामला सामने आने के बाद सीबीआइ ने आठ प्रकरण आरोपितों के विरुद्ध दर्ज किए थे। सभी की सुनवाई विशेष न्यायाधीश सुधीर मिश्रा के समक्ष चल रही थी। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने सीबीआइ और सभी आरोपितों की ओर से तर्क सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसे बुधवार को जारी किया गया। विशेष न्यायालय ने प्रकरण में मोहन यादव, बैंक के मुख्य प्रबंधक नरेश कुमार, संदीप यादव, कैलाश यादव, दीपक यादव, मनमोहन यादव, राकेश चौधरी, अनिल पटेल को पांच-पांच वर्ष और रजनी यादव को तीन वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई।

तीन हिचकी आई और सब इंस्पेक्टर की हार्ट अटैक से मौत

स्वजन पड़ोसियों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए। वहां डाक्टरों ने उन्हें मृत करार दे दिया। डाक्टरों के अनुसार उन्हें साइलेंट हार्ट अटैक आया था।

इंदौर। शहर में दिनों-दिन साइलेंट हार्ट अटैक के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। बुधवार को एक ऐसा ही और मामला सामने आया। रात में शहर के पुलिस सब इंस्पेक्टर की साइलेंट हार्ट अटैक से मौत हो गई। मौत से पहले उन्हें तीन हिचकी आई और कुछ ही सेकंड में जीवन खत्म हो गया। पिछले दिनों शहर में एक ऐसा ही वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें व्यक्ति की खाने की मेज पर ही मौत हो गई थी। पत्नी नेहा भूरिया ने बताया कि 42 साल के प्रवीण भूरिया ग्रामीण डीआईजी आफिस में पदस्थ थे। उनके स्वजन ने बताया की रात तक प्रवीण सामान्य थे और रोज की तरह उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया। अल सुबह जब पत्नी उठी तो प्रवीण को थोड़ी घबराहट हुई। इसके बाद तीन बार उन्होंने हिचकी ली और उनके मुंह से झाग निकला। उन्हें पत्नी ने सीपीआर भी दिया, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। स्वजन पड़ोसियों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए। स्वजन पहले उन्हें बांबे हास्पिटल ले गए, वहां आईसीयू में जगह नहीं तो फिर मेंदाता अस्पताल ले गए। वहां डाक्टरों ने उन्हें मृत करार दे दिया। डाक्टरों के अनुसार उन्हें हार्ट अटैक आया था। कुछ दिनों पहले भी हुई थी ऐसी घटना कुछ दिनों पहले भी इंदौर शहर का एक ऐसा ही वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें बाहर से इंदौर आए एक व्यक्ति की होटल में खाना खाने के दौरान अचानक ही मौत हो गई थी। दरअसल यह व्यक्ति खाने की मेज पर स्वजनों से बात कर रहा था और फिर वह फोन पर किसी से बात करता दिखाई दिया। फोन रखने के बाद वह अचानक मेज पर रखे खाने की प्लेट में गिर जाता है। साथ बैठे स्वजनों को कुछ देर तो समझने में लगती है। उन्हें उठाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह नहीं उठते। इसके बाद वहां लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल ले जाया गया और डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इंदौर नगर निगम के अमले में हटाया अवैध अतिक्रमण

नगर निगम के अमले ने बड़ी कार्यवाही करते हुए वार्ड क्रमांक 55 ऊषागंज छावनी में निगम की बड़ी कार्रवाई की।

इंदौर। शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देश के बाद नगर निगम के अमले ने बड़ी कार्यवाही करते हुए वार्ड क्रमांक 55 ऊषागंज छावनी में निगम की बड़ी कार्रवाई की। कार्यवाही के तहत क्षेत्र की शासकीय जमीन पर अतिक्रमण कर धर्मस्थल बनाए जाने की तैयारी की जा रही थी, जिसके बाद क्षेत्रिय जनप्रतिनिधियों के द्वारा मामला महापौर के संज्ञान में लाने के बाद कार्यवाही के निर्देश दिया। इसके बाद सरकारी बगीचे की जमीन पर जमा किया गया भंगार और सामान भी जब्त किया। नगर निगम अमले ने यहां से करीब एक ट्रक भरकर सामान जब्त किया। साथ ही अवैध रूप से बन रहे अतिक्रमण को हटाया गया।

इंदौर में ड्रग पैडलर डेढ़ और लुटेरे पांच गुना बढ़े, चाकूबाजी में आई कमी

पुलिस ने इस वर्ष 17 हजार 869 एफआइआर और 17 हजार 425 अदमचेक काटे।

इंदौर। शहर मादक पदार्थों का गढ़ बन गया है। पिछले वर्ष की तुलना में डेढ़ गुना प्रकरण दर्ज हुए हैं। कोकीन, अफीम, एमडीएमए, अल्प्राजोलम से लेकर सभी प्रकार का नशा बिक रहा है। यह राजफाश पुलिस की वार्षिक रिपोर्ट में हुआ है। एनडीपीएस एक्ट में इस वर्ष 148 प्रकरण पंजीबद्ध हुए हैं। शहर में महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ से नशा आसानी से आ रहा है। प्राणघातक हमले की धाराओं में एफआइआर दर्ज होने के बाद सामान्य चाकूबाजी के मामले घटे हैं। आयुक्त प्रणाली के बाद पहली बार 18 पैडलरों पर पिट एनडीपीएस के तहत कार्रवाई की गई है। आयुक्त मकरंद देऊस्कर के मुताबिक शहर में छोटी-छोटी बस्तियों में ड्रग के अड्डे बन चुके हैं। पुलिस ने पहली बार पैडलरों पर शिकंजा कसा है। इस वर्ष पुलिस 252 तस्करों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिसमें बिहार-महाराष्ट्र के आरोपित भी शामिल हैं। 29 प्रतिशत अपराध बढ़े, ड्रग पैडलर ने भी रेल मार्ग चुना शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) में पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष 29 प्रतिशत अपराधों की बढ़ोतरी हुई है। अफसरों का दावा है कि पुलिस ने शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की है। 48 प्रतिशत प्रकरणों में बरामदगी भी हुई है। चिंता की बात ड्रग पैडलर्स की सक्रियता है। जीआरपी ने 12 महीनों में छह प्रकरणों में पांच पैडलर्स को पकड़ा है। एसपी (जीआरपी) निवेदिता गुप्ता के मुताबिक लूट के 18 प्रकरणों में से 10 में गिरफ्तारी कर ली गई। इस साल पतारसी का 58 प्रतिशत रहा है। चोरी के 1763 प्रकरण पंजीबद्ध हुए है। उसमें से 592 प्रकरणों का राजफाश हुआ और चार करोड़ 59 लाख 13800 रुपये में से 45 प्रतिशत की बरामदगी रही। एसपी के मुताबिक अपहरण के 11 बच्चों को दस्तायाब किया।

इंदौर में क्रिसमस मनाने को लेकर विवाद के बाद आरएसएस पदाधिकारी को जान से मारने की धमकी

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एक पदाधिकारी को जान से मारने की धमकी मिली है। भंवरकुआं पुलिस ने स्कूल संचालक के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि विवाद क्रिसमस मनाने को लेकर शुरू हुआ था। बुधवार को इस मामले में धमकी मिली है।टीआइ राजकुमार यादव के मुताबिक श्रीयंत्र नगर निवासी राहुल सेंगर की शिकायत पर आरोपित अनिल पाल के विरुद्ध एफआइआर दर्ज हुई है। सेंगर ने पुलिस को बताया कि पाल का श्रीयंत्र नगर में लिटिल पाल स्कूल है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने को लेकर कुछ विवाद हुआ था। सेंगर ने पुलिस को बताया कि पाल ने बुधवार को उसे फोन पर धमकी दी। सूचना मिलने के बाद हिंदू संगठन के लोग थाने पहुंचे और पाल के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने की मांग की। रात को पुलिस ने जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया। एरोड्रम थाना क्षेत्र में मिलें शव की पहचान हो गई है। शव बाणगंगा थाना क्षेत्र के नंदबाग से लापता 14 वर्षीय बच्ची का है। उसकी हत्या की गई है। स्वजन ने चप्पल और कपड़े देख कर उसे पहचान है। गुरुवार को पुलिस स्वजनों

को शव भी दिखाएगी। नंदबाग कालोनी निवासी बच्ची 12 दिसंबर को लापता हुई थी। बाणगंगा पुलिस ने दो दिन बाद अपहरण का केस दर्ज किया लेकिन ढूंढने में रुचि नहीं दिखाई। मंगलवार को एरोड्रम पुलिस ने स्वजन को बुलाया और मौके से मिला सामान दिखाया। बुधवार रात तक स्वजन शव देखने की मांग करते रहे। अफसरों ने कहा अभी मामले में जांच चल रही है। उधर पुलिस ने नंदबाग से कई स्थानों के सीसीटीवी फुटेज निकाले हैं। दो जगहों पर वह अकेली जाते हुए दिख रही है। पुलिस ने उसके फोन की काल डिटेल के आधार पर कुछ युवकों को हिरासत में भी ले लिया है।

सिंगल कॉलम

रुचि ने डीएसपी के पद पर टॉप किया, निहारिका बनीं असिस्टेंट डायरेक्टर

भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने एमपीएससी- 2019 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इस एग्जाम में लड़कियों ने बाजी मारी है। परीक्षा में भोपाल के भी कई प्रतिभागियों ने सफलता हासिल की है।पंचशील नगर की रुचि जैन ने डीएसपी (उप पुलिस अधीक्षक)के पद पर टाप किया है। वहीं निहारिका मीना का चयन असिस्टेंट डायरेक्टर जनसंपर्क के पद पर हुआ है तो भोपाल में पढ़ी सैफा हासमी भी डीएसपी बनीं हैं। खास बात यह है कि रुचि ने एमपीपीएससी की परीक्षा 2019 में दी थी। इसके बाद यूपीएसई-2020 में शामिल हुई। जिसे पास करने के बाद अभी अंडमान निकोबार में आइएएस की ट्रेनिंग पर हैं। उल्लेखनीय है कि विवादों के चलते एमपीपीएससी- 2019 का परिणाम आने में काफी देरी हुई है। रुचि जैन सरकारी स्कूल और कालेज में पढ़ी हैं। उनके पिता अरविंद जैन व्यापारी हैं, जबकि मां सरिता जैन गृहिणी हैं। रुचि ने बताया की कामयाबी में मां-पिता और बड़े भाई का महत्वपूर्ण रोल रहा है।भाई आयुष ने मोटिवेटर का रोल निभाया। रुचि ने बताया कि स्कूलिंग के बाद मास्टर आफ आर्ट और फिर दो बार एमए किया। वर्ष 2016 में बीए की पढ़ाई पूरी कर ली थी। इसके बाद एसबी (स्पेशल ब्रांच) की परीक्षा दी, जिसमें आल इंडिया पहली रैंक मिली थी। 2016 से 2022 तक स्पेशल ब्रांच में रही। इस बीच यूपीएसई-2020 में शामिल हुई। हिंदी माध्यम से एग्जाम दिया और पहले प्रयास में ही सेकेंड रैंक मिली थी।जिसमें अंडमान निकोबार कैडर मिला। यहां पर अभी एसडीएम के पद के लिए ट्रेनिंग ले रही हूं। एमपीपीएससी का रिजल्ट आने के बाद स्थितियां बदली हैं। आराम से सोचकर निर्णय लूंगी कि मुझे कौन सी सेवा में रहना चाहिए। रुचि ने बताया कि मैं मध्यम वर्गीय परिवार से हैं।परिवार की पिछली सात पुश्तों में कोई भी सदस्य सरकारी सेवा में नहीं रहा है। वे पहली सरकारी अधिकारी हैं। इस पर गर्व होता है।मैंने आनलाइन तरीके से एग्जाम के बारे में जाना और सेल्फ स्टडी की। हिंदी माध्यम से होने की वजह से कई चुनौतियां भी आईं। अब यूपीएससी की तैयारी करेंगी निहारिका असिस्टेंट डायरेक्टर जनसंपर्क के पद पर चयनित हुईं कोलार रोड निवासी निहारिका मीना किसान अजय मीना की बेटी हैं। स्कूलिंग भोपाल में प्राइवेट स्कूल में हुई। इसके बाद राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की पढ़ाई वर्ष 2018 में पूरी की इंजीनियरिंग करने के साथ एमपीपीएससी की तैयारी शुरू की थी।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की उड़ान की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट पर बीती रात दो उड़ानों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। इनमें से एक उड़ान में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी सवार थे। इमरजेंसी लैंड के बाद उनको सुरक्षित उतार दिया गया। करीब डेढ़ घंटे रोकने के बाद उड़ान त्रिवेंद्रम रवाना हुई। त्रिवेंद्रम से दिल्ली जा रही फ्लाइट में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सफर कर रहे थे। एयरपोर्ट डायरेक्टर राम जी अवस्थी के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति को कुछ समय वीआईपी लाउंज में ठहराया गया था जब विमान ठीक हो गया तो उन्होंने उड़ान भरी। बेंगलुरु से दिल्ली जा रही उड़ान भी भोपाल डाइवर्ट बेंगलुरु से दिल्ली जा रही फ्लाइट 6ई 509 को डायवर्ट कर भोपाल एयरपोर्ट पर उतारा गया। उड़ान रद्द कर दी गई और उड़ान में यात्रा कर रहे सभी 161 यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। 59 यात्री टर्मिनल बिल्डिंग से बाहर चले गए जबकि 102 यात्री टर्मिनल बिल्डिंग के अंदर ही रह गए। एयरलाइंस कम्पनी ने टर्मिनल भवन के अंदर रहने वाले यात्रियों को टर्मिनल भवन के अंदर स्थित फूड काउंटर और प्राइम लाउंज में खाने की सुविधा प्रदान की । कुछ यात्री प्रस्थान क्षेत्र में ठहरे थे, कुछ की सिक्योरिटी होल्ड क्षेत्र में ठहराया गया। उड़ान ठीक होकर गुरुवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना हुई।

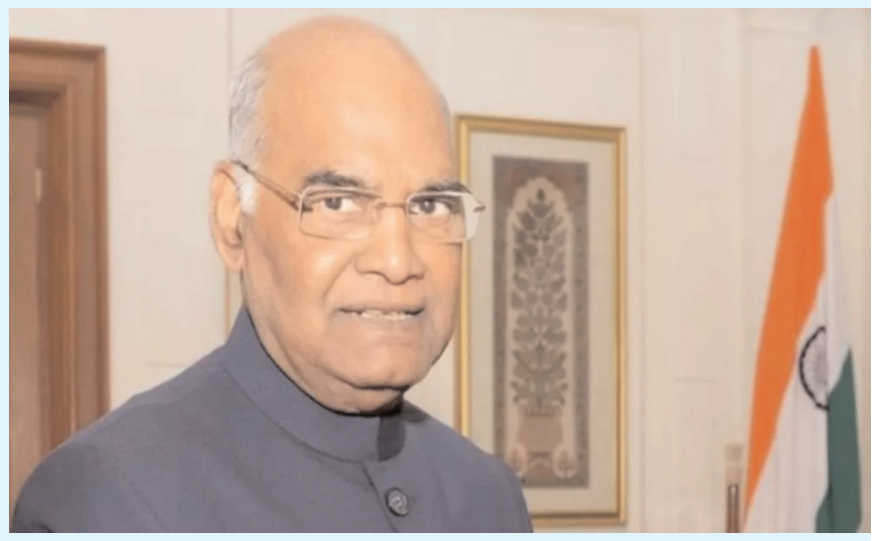

विकसित भारत संकल्प यात्रा से मिल रहा योजनाओं का लाभ : मंत्री कृष्णा गौर

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत हर दिन नगरीय निकायों च ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के तहत बुधवार को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा की मौजूदगी में गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में आने वाले वार्ड-56 में एक शिविर लगाया गया। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंटरनेट मीडिया से विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम को भी देखा व सुना गया।

मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुचाने का कार्य किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के माध्यम से नल से जल उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि को लाभ का धंधा बनाने के नए नए कृषि यंत्र किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उज्वला योजना के माध्यम से गैस चूल्हा उपलब्ध कराया गया है ताकि महिलाओं को धुंआ से बचाया जा सके। वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है। लोगों के जीवन मे परिवर्तन आया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसका सभी जन लाभ उठाएं। इस मौके पर महापौर मालती राय सहत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।

भोपाल में पढ़ीं सैफा हासमी भी डीएसपी बनीं

भोपाल में पढ़ीं सैफा हासमी भी डीएसपी बनींभोपाल में पढ़ी सैफा हासमी भी डीएसपी बन गई हैं। अभी वह भोपाल में सामाजिक न्याय विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर हैं। मूलतः छतरपुर जिले के नौगांव की रहने वाली सैफा की पढ़ाई भोपाल में ही हुई है। उन्हें आठवीं रैंक मिली है। सैफा ने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा छतरपुर जिले में ही हुई है। भोपाल से उन्होंने इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन ब्रांच से इंजीनियरिंग की। मास्टर आफ सोशल वर्क किया है। साइकिलिंग और बच्चों को पढ़ाने का शौक है। नवदुनिया से चर्चा में सैफा ने बताया ने उनका पेपर अच्छा गया था कि इसलिए अच्छे रिजल्ट की उम्मीद थी। पापा शिक्षक और मम्मी गृहणी हैं। पुलिस में सेवा के माध्यम से अपराध पीड़ित महिलाओं का न्याय दिलाने की कोशिश करूंगी।

लेबर आफीसर बने आशीष, तैयारी जारी रहेगी

कैची छोला की श्रीरामनगर कालोनी में रहने वाले आशीष चौरसिया के चयन लेबर आफीसर के पद पर हुआ है।एमपीएससी- 2019 में उनका यह पहला प्रयास था।आशीष ने बताया कि महर्षि सेंटर फार एक्सीलेंस लांबाखेड़ा से स्कूलिंग करने के बाद एक निजी कालेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग वर्ष 2018 में पूरी की थी। इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष से पीएसएसी की कोचिंग आरंभ कर दी थी। मैंने टेक्निकल से प्रशासनिक क्षेत्र चुना था और इस निर्णय में परिवार को पूरा सपोर्ट रहा। अभी मैं लेबर आफीसर के पद पर ज्वाइन करूंगा,लेकिन तैयारी जारी रहेगी। मैं पीएससी 2023 के प्रीलिम्स में भी बैठा था और आगे साक्षात्कार में भी हिस्सा लूंगा। पापा महेंद्र कुमार चौरसिया रेलवे पुलिस में हेड कांस्टेबल और मम्मी राजकुमारी गृहणी हैं। आशीष ने बताया कि रिश्तेदारी में गमी होने की वजह से रिजल्ट की खुशी नहीं मनाई है।

गजकेसरी व आयुष्मान योग में नव वर्ष का आगमन, कुछ राशियों के लिए फलदायी साबित होगा

वर्ष-2024 की शुरुआत सोमवार से हो रही है। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित है। इस दिन महादेव के साथ माता पार्वती की भी पूजा की जाती है। दो जनवरी सुबह 4.36 बजे तक रहेगा। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी। पहले दिन पौष माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि दोपहर 2:28 बजे तक है। इसके बाद षष्ठी तिथि शुरू होगी। नए वर्ष के पहले दिन सुबह 8:36 बजे तक मघा नक्षत्र रहेगा। इसके बाद पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र है। मंदिरों में भी नए वर्ष की तैयारी शुरू हो गई है। पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि नर्व वर्ष की शुररुआत के ग्रह नक्षत्र बेहद ही शुभ स्थिति में हैं। नववर्ष की शुरूआत अति शुभ माने जाने वाले आयुष्मान योग में होगी। साथ ही गजकेसरी राजयोग व के शुभ संयोग में न्यू ईयर प्रारंभ हो रहा है। ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि ग्रह, नक्षत्रों के ये संन्योग आगामी वर्ष देश में अच्छी वर्षा के संकेत हैं। ग्रहों की दशाओं और बन रहे योगों की वजह से नया वर्ष सभी राशियों के लिए सामान्य रहेगा। कुछ राशियों के लिए बेहद शुभफलदायी हो सकता है। भोलेनाथ का पूजन होगा लाभप्रद पंडित विनोद गौतम ने बताया नव वर्ष के पहले दिन सुबह 8.36 बजे तक मघा नक्षत्र है। इसके बाद पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र है। ज्योतिषियों की मानें तो नव वर्ष के पहले दिन शुभ आयुष्मान योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण 2 जनवरी को सुबह 4.36 बजे तक है। मान्यता है कि आयुष्मान योग में भोलेनाथ की पूजा करने से अमोघ फल की प्राप्ति होती है। ज्योतिषाचार्य पंडित विष्णु राजौरिया के अनुसार इस दिन सूर्य और मंगल धनु राशि में, शनि कुंभ राशि में, गुरु मेष राशि में, चंद्र सिंह राशि में, केतु कन्या राशि में, बुध और शुक्र वृश्चिक राशि में रहेंगे। ग्रहों की ये स्थिति अत्यंत शुभफलदायी मानी जाती है।

नव वर्ष में मप्र के कर्मचारियों को मिल सकता है चार प्रतिशत महंगाई भत्ते का उपहार

भोपाल। मध्य प्रदेश के सात लाख से अधिक नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों को सरकार नव वर्ष में चार प्रतिशत महंगाई भत्ते का उपहार दे सकती है। अभी कर्मचारियों को 42 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा है। इसे बढ़ाकर 46 प्रतिशत किया जाना है। वित्त विभाग ने प्रस्ताव तैयार करके मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दिया है। अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव करेंगे।

विधानसभा चुनाव के कारण नहीं हो पाया था निर्णय

केंद्र सरकार जुलाई 2023 से अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता चार प्रतिशत बढ़ाकर 46 प्रतिशत कर चुकी है। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के कारण इस पर निर्णय नहीं हो पाया था। राज्य सरकार ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के माध्यम से प्रस्ताव चुनाव आयोग को भेजा था लेकिन मतदान तक रुकने के निर्देश दिए थे। इसके बाद से मामला अटका हुआ है। सूत्रों का कहना है कि वित्त विभाग ने प्रस्ताव बनाकर अंतिम निर्णय के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दिया है। दरअसल, जनवरी में फिर केंद्र सरकार महंगाई भत्ते में वृद्धि कर सकती है। प्रतिवर्ष जनवरी और जुलाई में महंगाई भत्ता बढ़ाया जाता है।

अगले वर्ष के लिए 56 प्रतिशत के हिसाब से तैयारी

उधर, वित्त विभाग ने वर्ष 2024-25 के लिए 56 प्रतिशत के हिसाब से महंगाई भत्ते का प्रविधान बजट में रखने की तैयारी की है। सभी विभागों को निर्देश गए हैं कि स्थापना व्यय में तीन प्रतिशत वेतन वृद्धि और महंगाई भत्ते व राहत के लिए 56 प्रतिशत के अनुसार प्रविधान रखा जाए। संविदा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में आठ प्रतिशत की वृद्धि के हिसाब से प्रविधान रखा जाएगा। दरअसल, विधानसभा चुनाव के पहले शिवराज सरकार ने संविदा कर्मचारियों के वेतन-भत्ते बढ़ा दिए थे। इसके लिए अनुपूरक बजट में भी प्रविधान किया जाएगा।

महंगाई राहत बढ़ाने छत्तीसगढ़ से मांगी जाएगी सहमति

महंगाई भत्ते में वृद्धि का निर्णय होने के बाद पेंशनरों की महंगाई राहत में वृद्धि के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से सहमति मांगी जाएगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 में महंगाई राहत में वृद्धि के लिए दोनों राज्यों की बीच सहमति होना अनिवार्य है क्योंकि विभाजन के पूर्व के कर्मचारियों को किए जाने वाले भुगतान में दोनों राज्यों का अंशदान होता है।

जनजातीय संग्रहालय में युवा चित्रकार सरस्वती परस्ते के चित्रों की प्रदर्शनी

भोपाल शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। गुरुवार 28 दिसंबर को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।जेपी बिड़ला संग्रहालय में 17वीं से लेकर 19वीं सदी तक प्रचलित लघुचित्रों की छायाप्रतियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

माह का प्रादर्श- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वीथी संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में उत्तराखंड के लोकवाद्य हुड़का को प्रदर्शित किया गया है। प्रादर्श को सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

चित्रों की प्रदर्शनी-मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड समुदाय की युवा चित्रकार सरस्वती परस्ते के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इसे दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है।

भोपाल हाट- नाबार्ड की ओर से स्वसहायता समूह, शिल्पकारों तथा कृषक उत्पादक संगठनों की राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन भोपाल हाट में किया जा रहा है। समय दोपहर 12 बजे से है।

बिजली कंपनी की एक हजार बायोमीट्रिक उपस्थित मशीनें हुई खराब

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में कोरोना काल में लगभग एक हजार बायोमीट्रिक उपस्थिति मशीनें खराब हो गईं हैं। जिनकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये बताई जा रही है। ऐसे में अब 10 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पाने के लिए आउटसोर्स कर्मियों पर 12 से 15 हजार वाला स्मार्ट फोन खरीदने एवं स्वयं के खर्च से रीचार्ज कराने का दबाव बनाया जा रहा है। कंपनी ने मुख्यालय एवं ग्वालियर और भोपाल रीजन के 18 वृत्त (सर्किलों) के अधीन आने वाले 500 विभिन्न कार्यालयों, सब स्टेशनों, वितरण केंद्रों, जोन व डिवीजन कार्यालयों में कार्यरत करीब 15 हजार विभिन्न आउटसोर्स, संविदा, नियमित श्रेणी के कर्मचारियों की नियमित बायोमीट्रिक प्रयास उपस्थिति के लिए करीब एक हजार थम्ब व आईज डिवाइस मशीनें वर्ष 2015-16 में खरीदी गई थी। इसकी कीमत करीब 25 लाख रूपये थी, उन्हें कोरोना की आड़ में अब कवाड़ बना दिया गया है। यह मशीनें 10 वर्ष की गारंटी अवधि के पहले ही चालू अवस्था में रहने पर भी अब अनुपयोगी हो गई हैं। इस कारण अनेकों नियमित, संविदा व छोटे पदों के आउटसोर्स कर्मी जैसे भृत्य, फर्राश, माली, सुरक्षा सैनिक कर्मी परेशान हैं। वह बिजली कंपनी द्वारा जारी नई व्यवस्था के तहत मंहगा स्मार्ट मोबाइल खरीदने की स्थिति में नहीं है।

संपादकीय

मूल निवास के आधार पर आरक्षण संविधान की कसौटी पर

इस वर्षान्त में मुट्ठीभर युवाओं द्वारा मूल निवास और मजबूत भूमि कानून की मांग को लेकर देहरादून में आहूत महारैली में जिस तरह जनसैलाब उमड़ पड़ा उसे उत्तराखण्ड की जनता की भावनाओं का उद्वेग ही कहा जा सकता है। चूंकि उत्तराखण्ड में अभी तक मूल निवास के आधार पर सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। इसलिए जनभावनाओं का यह विस्फोट फिलहाल लोगों की संस्कृतिक पहचान के लिए ज्यादा लगता है। बाहरी लोगों द्वारा की जा रही जमीनों की खरीद फरोख्त पर मजबूत भू-कानून के जरिए रोक लगाने की मांग भी कमोवेश जनसांख्यिकी के असन्तुलन को रोक कर पहाड़ी लोगों की सांस्कृतिक पहचान अक्षुण रखने के लिए ही है। लेकिन मूल निवास का मुद्दा अन्ततः नौकरियों और अन्य सरकारी सुविधाओं तक ही पहुंचेगा जिसे संवैधानिक रुकावटों से गुजरना होगा, क्योंकि भारत का संविधान अपने नागरिकों को समानता के मौलिक अधिकार के साथ राज्य के अधीन किसी भी पद के संबंध में धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, उद्भव, जन्मस्थान, निवास या इसमें से किसी के आधार पर भेदभाव की स्पष्ट मनाही करता है। सवाल केवल उत्तराखण्ड के मूल निवास आन्दोलन तक सीमित नहीं है। मध्य प्रदेश की पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा जन्म के आधार पर राज्यवासियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण की घोषणा की जा चुकी थी। मूल निवास के आधार पर विरोध और समर्थन की बहसों के बावजूद कुछ राज्यों में जन्म के आधार पर और कुछ में भाषा के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था लागू हो चुकी है। इसलिए आज मांग उत्तराखण्ड से उठ रही है तो कल देश के अन्य राज्यों में भी यह मांग उठेगी। आरक्षण का मुद्दा एक संवैधानिक विषय होने के कारण विभेद विहीन समान अवसरों की गारंटी देने वाले अनुच्छेद 16 के उपखण्डों में संशोधन भी संसद ही कर सकती है। इसलिए समय आ गया है कि केन्द्र सरकार इस संबंध में स्पष्ट नीति बना कर एक ही बार में संविधान में आवश्यक संशोधन करें। मूल निवास या जन्म के आधार पर आरक्षण की बात उठती है तो संविधान के अनुच्छेद 16के उपखण्डों का जिक्र आवश्यक हो जाता है। भारत के संविधान में अनुच्छेद-16 सरकारी नौकरियों में अवसर की समानता को संदर्भित करता है जबकि अनुच्छेद 16 (1) राज्य के अधीन किसी भी पद पर रोजगार या नियुक्ति से संबंधित मामलों में सभी नागरिकों के लिए अवसरों की समानता की गारंटी देता है। अनुच्छेद 16 (2) यह भी स्पष्ट करता है कि कोई भी नागरिक केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, वंश, जन्म स्थान, निवास के आधार पर राज्य के तहत किसी भी रोजगार या कार्यालय के लिए अयोग्य नहीं होगा या उसके साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। लेकिन अनुच्छेद 16 (3) इन कानूनों को अपवाद प्रदान करता है। इसमें कहा गया है कि संसद उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर निवास के किसी विशेष स्थान की आवश्यकता निर्धारित करने वाला कोई भी कानून बना सकती है जिसमें सार्वजनिक पद या रोजगार हो। छूट देने की यह एक ऐसी शक्ति केवल स्पष्ट रूप से संसद में निहित है, न कि किसी राज्य विधानमंडल में। इसका मतलब यह है कि जन्म स्थान के आधार पर सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण के बारे में निर्णय केवल भारत की संसद ही ले सकती है, किसी राज्य की कोई विधायिका नहीं। संसद अब तक इस प्रावधान का लाभ आंध्र प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश को दे चुकी है। कुछ राज्यों को छूट देना और कुछ को छूट से वंचित रखना भी राज्यों के समानता के अधिकार का हनन है। महाराष्ट्र में, जो कोई भी 15 साल या उससे अधिक समय से राज्य में रह रहा है, वह सरकारी नौकरियों के लिए तभी पात्र है, जब वह मराठी में पारंगत हो। तमिलनाडु भी ऐसी परीक्षा आयोजित करता है। पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों ने मूल निवास के बजाय भाषा को राज्य की सेवाओं में नियुक्ति का आधार बनाया है। इन राज्यों की सेवाओं की चयन प्रकृया में शामिल परीक्षाओं में राज्य की भाषा का ज्ञान आवश्यक विषय रखा गया है। इसके अतिरिक्त, संविधान के अनुच्छेद 371 में कुछ राज्यों के लिए विशेष प्रावधान भी हैं। संविधान के अनुच्छेद 371डी के तहत, आंध्र प्रदेश को निर्दिष्ट क्षेत्रों में स्थानीय कैडरों की सीधे भर्ती करने की अनुमति है। संविधान निवास के आधार पर भेदभाव की अनुमति नहीं देता है। संविधान के अनुच्छेद 19 (ई) के तहत, भारत के प्रत्येक नागरिक को भारत के किसी भी हिस्से में निवास करने और बसने का अधिकार है। इसके अलावा, भारत संघ के नागरिक के रूप में, किसी भी राज्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर भर्ती होने पर भारतीयों के साथ उनके जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। संविधान कुछ प्रतिबंधों के बावजूद शैक्षिक आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े असमान लोगों को समानता के स्तर तक लाने के लिए अनुच्छेद 15 (4) और 16 (4) के जैसे सकारात्मक प्रावधान भी करता है। ये प्रावधान राज्य को उन समुदायों के लिए उच्च शैक्षणिक स्थानों और नियुक्तियों में प्रवेश के आरक्षण के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति देते हैं। जन्म के आधार आरक्षण विवादित होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट भी इसके पक्ष में नहीं है। प्रदीप जैन बनाम भारत संघ के मामले में न्यायालय ने भूमिपुत्रों के लिए नौकरियाँ आरक्षित करने की नीतियों को संविधान का उल्लंघन माना था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया यह संवैधानिक रूप से अस्वीकार्य प्रतीत होगा, हालांकि कोर्ट ने इस पर कोई निश्चित राय व्यक्त नहीं करने का फैसला किया। सन् 1995 में भी सुप्रीम कोर्ट ने सुनंदा रेड्डी बनाम आंध्र प्रदेश राज्य के मामले में, प्रदीप जैन वाले मामले के फैसले को बरकरार रखा और उस नीति को रद्द कर दिया, जिसमें शिक्षा के माध्यम के रूप में तेलुगु वाले उम्मीदवारों के लिए अंकों में 5 प्रतिशत अतिरिक्त वेटेज की अनुमति दी गई थी। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रदीप जैन जजमेंट का हवाला देते हुए कहा था कि- अब यदि भारत एक राष्ट्र है और केवल एक ही नागरिकता है, अर्थात भारत की नागरिकता, और प्रत्येक नागरिक को भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने और भारत के किसी भी हिस्से में रहने और बसने का अधिकार है..... । यह समझना मुश्किल है कि तमिलनाडु में अपना स्थाई घर रखने वाले या तमिल भाषा बोलने वाले नागरिक को उत्तर प्रदेश में बाहरी व्यक्ति कैसे माना जा सकता है... उसे बाहरी व्यक्ति मानना उसे उसके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करना और आवश्यक एकता को अस्वीकार करना होगा और देश के साथ ऐसा व्यवहार करके उसकी अखंडता को बनाए रखना जैसे कि वह स्वतंत्र राज्यों का एक समूह मात्र हो। लेकिन जब संसद कुछ राज्यों को जन्म या निवास के आधार पर आरक्षण देने की छूट दे चुकी है तो उसे अब समानता के अधिकार को समान बनाने की पहल भी करनी चाहिए। वर्ष 2020 में हरियाणा कैबिनेट ने एक अध्यादेश पारित किया जिसमें स्थानीय लोगों के लिए निजी नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रवधान था। सन् 2008 में, महाराष्ट्र ने राज्य प्रोत्साहन चाहने वाले उद्योगों में स्थानीय लोगों के लिए 80 प्रतिशत आरक्षण की शुरुआत की थी, हालांकि इसे लागू नहीं किया गया था। इसी तरह गुजरात ने भी 1995 में स्थानीय लोगों के लिए 85 प्रतिशत आरक्षण की शुरुआत की और फिर भी यह नीति न तो निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में लागू की गई। जम्मू और कश्मीर में, सभी सरकारी नौकरियाँ अधिवासियों के लिए आरक्षित हैं। हालांकि, इस आरक्षण को जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है और उस पर निर्णय लंबित है। असम में असम समझौते की सिफारिशों को लागू करने के लिए सिफारिशें की गई हैं जो केवल उन लोगों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रदान करती हैं जो 1951 तक अपने वंश का पता लगा सकते हैं।

राजनीति के दूषित माहौल में वास्तविक अर्थ खोज रहे हैं शब्द

आज के समय में, जब अपने राजनीतिक विश्वास के समर्थन में बातें कही जाती हैं, और जब सुनियोजित साजिश के तहत बातें उघाड़ी और छिपाई जाती हैं, तब ऑरवेल के सुनहरे दिनों में लौटना सुखद होगा, जिनका गद्य आज भी लेखन की कसौटी है। अपने एक बहुपठित लेख में, ऑरवेल ने बताया था कि राजनीति किस तरह शब्दों को दूषित करती है, वह लिखते हैं, %फासिज्म का अर्थ घटते-घटते अब सिर्फ एक ऐसा शब्द रह गया है, जिसका आशय है अवांछित । लोकतंत्र, समाजवाद, स्वतंत्रता, देशभक्ति, आदि ऐसे शब्द हैं, जिनके कई-कई अर्थ है, लेकिन इन शब्दों को एक दूसरे की जगह पर नहीं रखा जा सकता। अब लोकतंत्र शब्द को ही ले लीजिए-सिर्फ यही नहीं कि इसकी कोई सर्वस्वीकृत परिभाषा नहीं है, बल्कि इसकी कोई एक परिभाषा तय करते ही चारों तरफ से इसका विरोध शुरू हो जाएगा। हालांकि तमाम लोग यह मानते हैं कि किसी देश को लोकतांत्रिक बताना वस्तुतः उसकी प्रशंसा करना है = इसका नतीजा यह है कि कोई देश चाहे लोकतांत्रिक हो या नहीं, उसके समर्थक उसे लोकतंत्र ही बताते हैं। उन्हें इसका डर भी सताता है कि अगर लोकतंत्र का कोई एक अर्थ तय कर दिया गया, तब वह अपने देश के लिए लोकतंत्र शब्द का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। ऐसे शब्दों का इस्तेमाल जान-बूझकर बेईमानी के इरादे से किया जाता है।' मैंने उनके लेख, पॉलिटिक्स ऐंड इंग्लिश लैंग्वेज से यह लंबा पैराग्राफ उद्धृत किया, क्योंकि उन्होंने फासिज्म के पतन और उदारवादी, लोकतांत्रिक विश्व व्यवस्था के उदय के दौरान वर्ष 1946 में जो कहा था, वह राजनीतिक वितंडावाद के मौजूदा दौर में भी गहरे तौर पर याद रखने लायक है। स्थिति यह है कि अपनी सच्चाई साबित करने के लिए आज शब्दों का नए सिरे से इस्तेमाल

किया जाता है, और हमें ऐसा लगता है कि जो हम सुन रहे हैं, वह महज वास्तविकता नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व से जुड़ा विवाद है। फासिज्म के उभार से संबंधित न सिर्फ बातें की जाती हैं, बल्कि यही हर दौर में विमर्श तय भी करता है। आज जब यूक्रेन इस शताब्दी की सबसे बड़ी दबंगई से जूझ रहा है, तब पुतिन और उनके समर्थक जेलेंस्की के पराक्रम को फासिज्म बताते हैं। इससे कोई मतलब नहीं कि इस संदर्भ में पुतिन के लिए फासिज्म शब्द ज्यादा उपयुक्त है, जिसका वास्तविक अर्थ है राष्ट्र की नियति पर ज्यादा जोर देना और इस प्रक्रिया में राष्ट्र को लगी चोट, उसका हुआ अपमान और राष्ट्र के गौरव की बात सुनियोजित ढंग से बार-बार उभारना। जब शब्द इतिहास की बाड़ेबंदी से बाहर निकलकर विभिन्न भूगोलों और विचारधाराओं में विचरण करते हैं, और फिर एक दूसरे समय की बाड़ेबंदी में रुककर गोला-बारूद की भूमिका निभाने लगते हैं, तब वे एक विवादास्पद वास्तविकता की बुनियाद बन जाते हैं। इन शब्दों से जो कहानियां बनती हैं, वे अच्छे और बुरे के बीच स्पष्ट विभाजक रेखा खींच राजनीति को नैतिक ड्रामा में बदल देती हैं। ऑरवेल ने और जिन तीन शब्दों- लोकतंत्र, स्वतंत्रता और देशभक्ति-का जिक्र किया, उनका ही उदाहरण ले लीजिए। इन शब्दों की सुस्पष्ट परिभाषा के बिना पहचान और राष्ट्रीय नियति के बारे में आज कुछ कहा ही नहीं जा सकता। लोकतंत्र का अर्थ सिर्फ वह नहीं है, जिस बारे में एक देश में रहने वाले लोग बताते हैं कि यह शासन की सर्वोत्तम प्रणाली है। लोकतंत्र के समर्थन में उनके बोलने के बावजूद इसकी सीमाओं और इसकी विशेषताओं के बारे में बहुत कुछ अनकहा रह जाता है। जब एक अधिनायकवादी अपने लोगों पर शासन करने को लोकतंत्र कहता है, तब वह झूठ बोलता है। विडंबना यह है कि अधिनायकवादी हमेशा ही यह झूठ बोलते हैं। ऑरवेल द्वारा उद्धृत किए एक दूसरे शब्द स्वतंत्रता को आज भी लगातार लोकतंत्र के अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है। जिन्होंने स्वतंत्रता को संपूर्ण सत्य का दर्जा दिया हो, उस प्रगतिशील वर्ग की नैतिकता भी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और नस्लीय मुद्दों पर समझौते करती रही है। ताजातरीन सामाजिक तकनीकों ने अतीत की खुदाई के जरिये वर्तमान के पुनर्निर्माण को आसान कर दिया है; और समाज के प्रति व्यापक गुस्से की अनुमति देकर वे स्वतंत्रता को सशर्त बना देती हैं। जो तुम्हारे लिए स्वतंत्रता है, वह मेरे लिए गुलामी है। दूसरे शब्द भी इतनी ही ताकत से विमर्श को गति देते और उन्हें विभाजित करते हैं। मसलन, देशभक्ति उदारता का लक्षण नहीं है। और यह सवाल पूछना, कि देशभक्ति शब्द ही उदारवादियों को सतर्क क्यों कर देता है, वस्तुतः उन लोकतांत्रिक देशों के प्रश्नाकुल दिमागों को चुनौती देने जैसा है, जो तेजी से दक्षिणपंथी विचारधारा की ओर मुड़ रहे हैं। दक्षिणपंथी देशभक्ति को जितना जरूरी मानते हैं, उदारवादी उसका उतना ही विरोध करते हैं। प्रगतिशील राजनीति की सोच है कि राष्ट्रवाद की अत्यधिक खुराक वास्तविक आजादी को दबा देती है। क्या इसका मतलब यह है कि देशभक्ति को आधुनिकता-विरोधी मानकर खारिज करना राजनीति में तार्किकता को स्थान देना है? क्या इसका अर्थ यह है कि लोकप्रिय आवेग सांप्रदायिक होते हैं? यह ऐसा ही, जैसे प्रगतिशीलों की किताब में जो कुछ प्रतिबंधित है, दुनिया भर में फैले लोकतंत्रों में उसी को सबसे अधिक साझा किया जाता हो। शब्द और उसके उतार-चढ़ाव ही राजनीति में विमर्श बनाने-बिगाड़ने का काम करते हैं। विमर्श रचने वालों की अगंभीरता के कारण उनके शब्द ऐतिहासिक संदर्भों और सांस्कृतिक अवरोधों को तोड़ते हैं, और चुनावी राजनीति को उस राष्ट्र का जनमत सर्वेक्षण बना डालते हैं। इसका नतीजा अच्छा भी होता है और बुरा भी। यह शब्द चुनने के आपके कौशल और उसका इच्छित अर्थ निकालने की आपकी क्षमता पर निर्भर करता है। आज वही विजयी है, जो आज के अनुरूप शब्द चुन सकता है।

भगवान शिव के धनुष के कारण ही हुआ राम-सीता का विवाह

आजकल अयोध्या और राम मंदिर दोनों ही काफी चर्चा में हैं। 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। वैसे तो रामायण का हर एक प्रसंग ही मन को मोहित करने वाला है। राम और सीता की मुलाकात और उनके स्वयंवर से जुड़े कुछ प्रसंग हैं जिनकी जानकारी शायद ही कुछ लोगों को होगी। श्री राम द्वारा तोड़े गए धनुष को लेकर भी कुछ रहस्य बताए गए हैं। आइए जानते हैं राम सीता स्वयंवर और धनुष से इसके संबंध के बारे में।राम-सीता स्वयंवर कथा पौराणिक कथाओं के बारे में बात करें तो राजा जनक भगवान शिव के वंशज थे और भोलेनाथ का धनुष उनके राज महल में रखा था। एक बार महाराज जनक ने अपनी पुत्री सीता के स्वयंवर की घोषणा का साथ ये भी एलान कर दिया कि जो धनुष की प्रत्यंचा को चढ़ा देगा, उसी से मेरी पुत्री सीता का विवाह होगा। शिव धनुष कोई साधारण धनुष नहीं था बल्कि उस काल का ब्रह्मास्त्र था। उस चमत्कारिक धनुष के संचालन की विधि राजा जनक, माता सीता, आचार्य श्री परशुराम और आचार्य श्री विश्वामित्र को ही ज्ञात थी। जनक राज को इस बात का डर सताने लगा था कि अगर धनुष रावण के हाथ लग गया तो इस सृष्टि का विनाश हो जाएगा। इसलिए विश्वमित्र ने पहले ही भगवान राम को उसके संचालन की विधि बता दी थी। जब श्री राम द्वारा वह धनुष टुट गया तभी परशुराम जी को बहुत क्रोध आया लेकिन आचार्य विश्वामित्र एवं लक्ष्मण के समझाने के बाद कि वह एक पुरातन यन्त्र था इसलिए संचालित करते ही टूट गया तब जाकर श्री परशुराम का क्रोध शांत हुआ। राम ने जब प्रत्यंचा चढ़ा कर धनुष को तोड़ा और माता सीता से उसका विवाह सम्पन्न हो गया।

कैसे हुई पिनाक धनुष की उत्पत्ति

शास्त्रों के अनुसार एक बार महर्षि कण्व ने ब्रह्मदेव की घोर तपस्या की। अपने ध्यान में इतने गहरे खो गए कि वर्षों तक बिना हिले तपस्या करते रहे। जिससे उनके शरीर पर दीमको ने बाँबी बना ली। उस बाँबी पर बांस का एक पेड़ उग आया, जो साधारण नहीं था। ब्रह्म देव ने महर्षि कण्व की तपस्या से खुश होकर उन्हें उनके मनचाहे वरदान प्रदान किये और उस बांस को भगवान विश्वकर्मा को दे दिए। इनसे विश्वकर्मा जी ने 2 शक्तिशाली धनुष शारंग और पिनाक बनाए। जिसमें से श्री हरि विष्णु को उन्होंने शारंग और भगवान शिव को पिनाक धनुष प्रदान किया। भगवान शिव ने इस धनुष को त्रिपुरासुर को मारने में उपयोग किया और देवों को सौंप दिया। जब देवों का समय खत्म हुआ तो देवों ने यह धनुष राजा जनक के पूर्वज देवरात को सौंपा गया। देवताओं ने इस धनुष को महाराजा जनक जी के पूर्वज देवरात को दे दिया। शिवजी का वह धनुष उन्हीं की धरोहर स्वरूप जनक जी के पास सुरक्षित था।

परिदृश्यः अपेक्षाओं में दबी सपनों की आवाजें
इस माहौल को बदलने की दरकार

राजस्थान का कोटा शहर मशहूर है अपने कोचिंग संस्थानों के लिए, जो जेईई और नीट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करते हैं। लेकिन यहां के एक परेशान करने वाले आंकड़े की गूंज 2023 में देश भर में सुनाई दी, जो युवा दिमागों पर शैक्षणिक दबाव के कष्टदायक असर की भी याद दिलाते हैं। सिर्फ 2023 में शहर में करीब 28 छात्रों ने आत्महत्या की, जो इसका प्रतीक है कि उच्च प्रतिस्पर्धी माहौल में युवाओं के सपने किस तरह अक्षम्य वास्तविकता से टकराते हैं। यह आंकड़ा कोचिंग संस्थानों की पारिस्थितिकी में निहित जटिलताओं को रेखांकित करता है और बताता है कि ये कैसे देश की शैक्षिक व्यवस्था में गुंथी हुई हैं। भारत में ज्यादातर 12वीं कक्षा के छात्रों की कहानी सिर्फ दो महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में सफलता की खोज तक सीमित है। विशिष्ट इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए जेईई और प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों के लिए नीट परीक्षा। उम्मीदवारों की संख्या और उपलब्ध सीटों के बीच भारी असमानता, जो दस फीसदी से भी कम है, इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा को कई गुना बढ़ा देती है। इससे एक ऐसे माहौल को बढ़ावा भी मिलता है, जहां दबाव पनपता है और छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि कोटा के प्रेशर कुकर माहौल में छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं में किस तरह वृद्धि हुई है। 2022 में 15, 2019 में 18 और 2018 में 20 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इस उच्च जोखिम वाले परिदृश्य के बीच राज्य की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। अपेक्षाकृत कमजोर वर्ग के बच्चों को कोचिंग देने के लिए विभिन्न कोचिंग संस्थानों के साथ सहयोग अनजाने में इन पृथक केंद्रों के अस्तित्व और कथित जरूरत को मजबूत करता है, जिससे युवाओं के दिमाग पर तनाव और बढ़ता जाता है। नए वर्ष की शुरुआत हमें आत्मनिरीक्षण और पुनर्मूल्यांकन का अवसर दे रही है। कोचिंग संस्थानों का विनियमन किया जाना जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी है अभिभावक और समाज की तरफ से पड़ने वाले दबाव को कम करना, जो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार भी छात्रों को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का सबसे बड़ा कारण है। प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है का मंत्र केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे सामाजिक व्यवहार का आधार बनाने की जरूरत है। इसके लिए जरूरी है कि एक समावेशी शैक्षिक परिदृश्य का निर्माण हो, ताकि छात्रों पर बेवजह दबाव न हो। वर्ष 2024 की शुरुआत ऐसे शैक्षिक वातावरण को बनाने के संकल्प से होनी चाहिए, जिसमें विविध प्रतिभाओं को पनपने का अवसर मिल सके और हर बच्चा अपनी विशिष्टता के अनुसार कॅरिअर का चुनाव कर सके। यह महत्वपूर्ण क्षण एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत का भी समय होना चाहिए, जिसमें शिक्षा कुछ प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की संकीर्ण सीमाओं को पार करती हो, क्योंकि ऐसा होने पर ही शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य में खरी उतर पाएगी।

कब है अखुरथ संकष्टी चतुर्थी व्रत?

जानें पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार पौष माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। इस दिन बुद्धि, ज्ञान और धन-वैभव के देवता भगवान गणेश की विधि विधान से पूजा की जाती है। इस दिन व्रत रखा जाता है। साथ ही रात के समय चंद्र देव की पूजा की जाती है और उन्हें जल अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि चतुर्थी तिथि पर व्रत रखने और भगवान गणेश की पूजा करने से सभी तरह के संकट दूर हो जाते हैं। गणेश पुराण के अनुसार अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखने पर सौभाग्य और संतान प्राप्ति की कामना पूरी होती है। ऐसे में चलिए जानते हैं अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 2023 की तिथि, मुहूर्त और पूजा का महत्व...अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 2023 तिथि

पंचांग के अनुसार पौष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 30 दिसंबर 2023 को सुबह 09 बजकर 43 मिनट से होगी। इस तिथि का समापन अगले दिन 31 दिसंबर 2023 को सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर होगा। ऐसे में पौष माह की अखुरथ संकष्टी चतुर्थी व्रत 30 दिसंबर 2023 रखा जाएगा।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 2023 मुहूर्त

पूजा मुहूर्त- सुबह 08 बजकर 03 मिनट से सुबह 09 बजकर 30 मिनट तक

शाम का मुहूर्त- शाम 06 बजकर 14 मिनट से रात 07 बजकर 46 मिनट तक

चंद्रोदय समय- रात 09 बजकर 10 मिनट पर

संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन जल्दी सुबह उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। अगर संभव हो तो इस दिन हरा कपड़ा पहनें।

स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प लेते हुए गणपति की पूजा-आराधना आरंभ करें।

पूजा करने से पहले भगवान गणेश की मूर्ति को साफ करके उनके माथे पर तिल करें।

फिर इसके बाद पूजा की सामग्री के साथ विधिवत पूजा करें।

काफी विद करण में सैफ ने अमृता सिंह से शादी व तलाक को लेकर की बात

शर्मिला टैगोर का भी रिएक्शन आया सामने

कॉफी विद करण सीजन 8 के 10वें एपिसोड में शर्मिला टैगोर और सैफ अली खान की नजर आएं। मां बेटे के इस जोड़ी ने शो में बातचीत के दौरान निजी जिंदगी से जुड़े कई किस्सों का खुलासा किया। साथ ही शो में उन्होंने हंसी-मजाक के साथ कई दिल छू लेने वाले पल भी साझा किए। इस दौरान सैफ अली खान ने अपनी पहली पत्नी अमृता सिंह के साथ शादी और तलाक पर भी खुलकर बात की। वहीं, इस शादी के बारे पता चलने पर शर्मिला टैगोर की क्या प्रतिक्रिया थी, यह भी सामने आया।

एकदम शांत हो गई थी शर्मिला-अमृता से सैफ की शादी को लेकर शर्मिला टैगोर ने एक दिन मैं किसी काम से मुंबई जा रही थी, इसी दौरान सैफ मेरे पास आया और कहा कि मुझे आपसे कुछ कहना है। इसके बाद उसने मुझे अमृता से अपनी शादी के बारे बताया। यह सुनकर मैं एकदम शांत हो गई। मैंने सैफ से कहा कि हम इस बारे में बाद में बात करेंगे। इसके बाद मैने सैफ के पिता को फोन किया और यह बात सुनकर वे भी चुप हो गए, फिर हमने इस बात को वहीं छोड़ दिया। अगले दिन मैंने अमृता को मिलने के लिए बुलाया। हमने साथ में चाय पी। वह मुझे पसंद थी लेकिन फिर भी मैं इस बात से हैरान थी।

शादी के बाद बदल गई परिस्थितियां-वहीं, इस बारे में बात करते हुए सैफ ने बताया कि शादी की बात सुनकर उनकी मां की आंखों में आंसू आ गए थे। उन्होंने मेरे से कहा, तुमने मुझे चोट पहुंचाई है।% सैफ ने आगे कहा, इसके बाद मैंने इतनी कम उम्र में अचानक शादी करने के फैसले को लेकर अपनी मां से खुलकर बात की। मैंने कहा कि यह घर से भागने जैसा था, मेरे दिमाग में बहुत कुछ चल रहा था फिर मुझे शादी का तरीका सही लगा। हालांकि, इस दौरान सैफ ने यह जरूर स्वीकार किया की 20 साल की उम्र में शादी करने से उनके जीवन में परिस्थितियां काफी बदल गईं। सैफ ने कहा, अमृता से अलग होने के बाद भी आज भी हम सारा और इब्राहिम के सह-अभिवावक के रूप में एक सम्मानजनक रिश्ता साझा करते हैं। वहीं, सैफ और अमृता के अलग होने को लेकर शर्मिला टैगोर ने कहा, %यह परिवार के लिए अच्छा समय नहीं था, क्योंकि मैंने न केवल अमृता को खोया बल्कि इससे सैफ के बच्चे सारा और इब्राहिम भी दूर हो गएं।

राम गोपाल वर्मा के सिर पर रखा गया एक करोड़ का इनाम

निर्देशक ने पुलिस में दर्ज की शिकायत

मशहूर फिल्मकार राम गोपाल वर्मा इन दिनों सुर्खियों में हैं। फिल्म व्यूहम की वजह से हाल ही में एक्टिविस्ट कोलिकापुडी श्रीनिवास राव ने उनके सिर पर एक करोड़ रुपये का इनाम रखने की पेशकश की, जिसके बाद निर्देशक ने इसकी शिकायत पुलिस में कर दी है। मंगलवार यानी 26 दिसंबर को ऑनलाइन शिकायक दर्ज कराने के बाद उन्होंने 27 दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से विजयवाड़ा में पुलिस महानिदेशक कार्यालय में पहुंचकर शिकायत की। निर्देशक ने इस बात की जानकारी खुद ही सोशल मीडिया के जरिए दी। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से एक वीडियो साझा किया है, जिसमें राव, निर्देशक की फिल्म व्यूहम की आलोचना करते हुए उनके सिर पर एक करोड़ का इनाम रखने की बात करते नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट में उन्होंने आंध्र प्रदेश की पुलिस को भी टैग किया और अनुरोध किया कि वे इसे ऑनलाइन शिकायत के रूप में लें। उन्होंने लिखा, कोलिकापुडी श्रीनिवासराव ने मुझे मारने के लिए एक करोड़ रुपये की सुपारी दी थी और चैनल के एंकर ने बड़ी चलाकी से उसकी सहायता की। इन्होंने मिलकर तीन बार मेरी हत्या की सुपारी दी। बुधवार को एक अन्य पोस्ट में उन्होंने तस्वीर साझा कर जानकारी दी है कि उन्होंने आधिकारिक तौर पर श्रीनिवास राव, एंकर और चैनल के मालिक के खिलाफ पुलिस शिकायत की है। अमरावती ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के नेता श्रीनिवास राव ने आगामी फिल्म व्यूहम के लिए वर्मा पर हमला करने को लेकर इमाम की पेशकश की थी। ऐसा कहा जाता है कि यह फिल्म पूर्व (अविभाजित) आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के निधन के आसपास की स्थितियों के बारे में है। टीडीपी ने विवादास्पद फिल्म में नायडू की छवि को खराब करने के प्रयासों का आरोप लगाते हुए व्यूहम को लेकर तेलंगाना उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है। यह फिल्म 29 दिसंबर को रिलीज होने वाली है

बाहर से ज्यादा घर पर बना खाना पसंद करते हैं ये सितारे

बॉलीवुड सेलेब्स के लाखों चाहने वाले होते हैं। फैंस अपने चहेते सितारों के बारे में हर बात जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। यह सितारे बड़े पैमाने पर अपनी लग्जरी लाइफस्टाल पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं। अपनी फिटनेस का ये सितारे खास ख्याल रखते हैं। फैंस ये जानने के लिए बेहद उत्सुक रहते हैं कि उनके फेवरेट स्टार को क्या पसंद है और क्या नापंसद है। इन सितारों को कुछ खास डिशेज बेहद प्रिय हैं। लोगों को लगता है कि सेलेब्स को किसी खास रेस्टोरेंट का खाना ही पसंद होता है। मगर आपको बता दें कि इंडस्ट्री में कई ऐसे सितारें हैं, जिन्हें बाहर से ज्यादा घर पर बना हुआ खाना पसंद है। इन सितारों को बाहर की बिरयानी से ज्यादा घर के दाल-चावल पसंद आते हैं। तो आइए जानते हैं, इन सितारों के बारे में...

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार दीपिका पादुकोण अपनी फिल्मों को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। जल्द ही वह ऋतिक रोशन रोशन के साथ फिल्म फाइटर में नजर आएंगी।

रणबीर कपूर ने धार्मिक भावनाओं को पहुंचाया ठेस!

वीडियो वायरल होने के बाद दर्ज हुई शिकायत

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म एनिमल की सफलता को भुना रहे हैं। इसी कड़ी में अभिनेता बीते दिन परिवार संग क्रिसमस सेलिब्रेट करते नजर आए। इस अवसर पर रालिया ने मिलकर अपनी बेटी राहा का चेहरा पहली बार दिखाया। राहा की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। वहीं, रणबीर कपूर भी अपने एक क्रिसमस सेलिब्रेशन वीडियो को लेकर चर्चाओं का विषय बन गए हैं। इस वीडियो में अभिनेता की एक हरकत ने हर किसी को हैरान कर दिया है। साथ ही अब रणबीर के खिलाफ शिकायत भी दर्ज हो गई है।

वायरल वीडियो देख भड़के नेटिजन्स -रणबीर कपूर के क्रिसमस सेलिब्रेशन का एक वीडियो बीते दिन ताबड़तोड़ वायरल हुआ। इस क्लिप में अभिनेता, केक पर एल्कोहल डालने के बाद उसमें आग लगाते हैं, और उसी दौरान जय माता दी चिल्लाते हैं। अभिनेता की यह हरकत नेटिजन्स को बिल्कुल पसंद नहीं आई है। रणबीर के ऊपर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लग रहा है। साथ ही उन्हें सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल भी किया जा रहा है।

धार्मिक भावनाओं को पहुंचाया ठेस! -बॉलीवुड अभिनेता के वायरल वीडियो पर बवाल मचा हुआ है। इसी को लेकर बुधवार को उनके खिलाफ मुंबई के एक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। हालांकि, मामले में अभी तक कोई प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज नहीं की गई है। अपने वकील आशीष राय और पंकज मिश्रा के माध्यम से घाटकोपर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने वाले संजय तिवारी ने दावा किया कि वीडियो में अभिनेता को जय माता दी कहते हुए केक पर शराब डालते और आग लगाते हुए देखा गया है।

शिकायतकर्ता का आरोप - शिकायत में कहा गया है कि हिंदू धर्म में, अन्य देवताओं का आह्वान करने से पहले अग्नि देवता का आह्वान किया जाता है, लेकिन कपूर और उनके परिवार के सदस्यों ने दूसरे धर्म का त्योहार मनाते समय जानबूझकर नशीले पदार्थों का इस्तेमाल किया और जय माता दी का नारा लगाया। इसमें आरोप लगाया गया कि इससे शिकायतकर्ता की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।

यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी रैपर निकोलाई गिरफ्तार

अर्धनग्न पार्टी में भाग लेने पर हुई सजा

मॉस्को नाइट क्लब में एक नग्न पार्टी उस समय आयोजित की गई, जब रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में लगा हुआ है और वहां अधिकारी तेजी से रूढ़िवादी सामाजिक एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। इस पार्टी ने असामान्य रूप से तेज और शक्तिशाली प्रतिक्रिया को उकसाया है। पुतिन के प्रवक्ता की तरफ से एक वीडियो जारी किया गया है, जिसमें जिसमें भाग लेने वाले सितारों में से एक का स्पष्टीकरण सुना गया है।

पुतिन के प्रवक्ता ने मांगी माफी

पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने हाल ही में, संवाददाताओं से बढ़ते घोटाले पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी नहीं करने के लिए उन्हें माफ करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, देश में आप और मैं ही एकमात्र व्यक्ति हैं, जो इस विषय पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। इस बीच इस पार्टी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

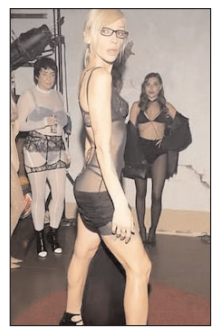

तार

इस पार्टी में रूसी रैपर निकोलाई वासिलयेव भी शामिल हुई थीं। उन्हें वैसियो के नाम से जाना जाता है। रैपर अपने लिंग को ढकने के लिए केवल एक मोजा पहनकर उपस्थित हुई थीं। निकोलाई को गैर-पारंपरिक यौन संबंधों के प्रचार के लिए मास्को की एक अदालत ने 15 दिनों के लिए जेल में डाल दिया और 200,000 रूबल (. 2,182) का जुर्माना लगाया है।

संगीत कार्यक्रम किए गए रद्द

निकोलाई के कई संगीत कार्यक्रम और टीवी प्रसारण रद्द कर दिए गए हैं। प्रायोजकों के साथ अनुबंध रद्द कर दिए गए हैं और एक मामले में कथित तौर पर एक नई फिल्म से बाहर कर दिया गया है। इस पार्टी ने उन लोगों को नाराज कर दिया है जो यूक्रेन में रूस के युद्ध का समर्थन करते हैं।

पिताजी के इलाज के लिए थी बहुत सारे पैसों की जरूरत

तभी मिल गया एकता कपूर का ये ऑफर

छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री शिल्पा सकलानी कभी एकता कपूर के लोकप्रिय धारावाहिक क्योंकि सास भी कभी बहू थी में गंगा की भूमिका निभा कर खूब चर्चा में रहीं। करीब तीन दर्जन से अधिक शोज में कई तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभा चुकी शिल्पा सकलानी का भी तमाम सफल कलाकारों की तरह यही कहना है कि उन्होंने अभिनय को पेशा बनाने के बारे में कभी सोचा नहीं था। वह भी सादा जीवन, उच विचार को मानने वाली हैं। लेकिन, किरदार वह बहुत जल्द ही कैकेयी का निभाती नजर आने वाली हैं।

कैकेयी ने राम और सीता को मुंह दिखाई में कनक भवन दे दिया था, लेकिन वही कैकेयी बाद में रामकथा में खलनायिका बनी नजर आई, आपको क्या पता था इस चरित्र के बारे में?

मैं उन अज्ञानी लोगों में से थी, जिसे इस बात का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था कि कैकेयी क्या थी? जब पहली रामायण आई थी तब बहुत छोटी थी। मुझे कैकेयी के बारे में बहुत कम पता था। कैकेयी के लिए मेरी भी नेगेटिव प्रतिक्रिया थी, जैसे आम तौर पर लोगों का होता है। कैकेयी को लोगो ने इतना निगेटिव किरदार मान लिया है कि आज तक किसी ने अपनी बेटी का नाम कैकेयी नहीं रखा। अब आनंद नीलकंठन की लिखी श्रीमद रामायण से लोगों को यह बताने की कोशिश की जाएगी कि वाकई में कैकेयी कौन थी?

कैकेयी के किरदार के लिए आपको अलग से किस तरह की तैयारी करनी पड़ी ?

मुझे बहुत ही विस्तार ने इस किरदार के बारे में जानना पड़ा। मैंने लेखक टीम से इस किरदार के बारे में बहुत ही विस्तार से बात की। मेरे लिए इस किरदार के बारे में बहुत कुछ जानना इसलिए जरूरी था, क्योंकि मैं कोई काल्पनिक किरदार नहीं करने जा रही थी। यह एक बहुत बड़े लीजेंड का किरदार है। उनके अंदर ऐसा भाव था कि कौशल्या को बड़ी बहन और सुमित्रा को छोटी बहन जैसी प्यार देती थी। राम को लेकर उनका अथाह प्रेम था। राम ने जो कुछ भी सीखा उसका श्रेय वह कैकेयी को ही देते थे। कैकेयी खुद बहुत बड़ी योध्या और राजनीतिज्ञ थीं।

टेलीविजन पर ऐसा कौन सा किरदार है, जो आपके दिल के अभी भी बहुत करीब है?

क्योंकि सास भी कभी बहू थी की गंगा का किरदार मेरे दिल के अभी भी बहुत करीब है। इससे पहले मैंने एक शो एक टुकड़ा चांद का किया था। एकता कपूर ने उस शो को देखा था। एकता कपूर ने कहा कि तुम नई जनरेशन की तुलसी की बहू गंगा होगी। उन्होंने मुझे 45 मिनट तक नरेशन दिया। और, बोली कि कल सेट पर आ जाना। अगले दिन जाकर शूटिंग कर ली। उस समय उसी दिन टेलीकास्ट होता था क्योंकि एपिसोड्स का बैंक बन पाना तब मुश्किल होता था। दिन में शूटिंग की और रात को 10.30 पर एपिसोड टेलीकास्ट हो गया। अगले दिन सुबह जब मैं ट्रेन में बैठी तो लोग मुझे घूर -घूर कर देख रहे थे।

ऐसा क्यों?

मेरी समझ में नहीं आया कि हर इंसान मुझे क्यों घूर कर देख देख रहा है। बस में बैठी तो लोग घूर रहे थे। ट्रेन में बैठी तो लोग मुझे घूरते हुए निकल रहे थे। मेरे पिता जी नेवी में थे, मैं नेवी नगर से आती थी। क्योंकि सास भी कभी बहू थी का सेट गोरेगांव पश्चिम के कामत क्लब में लगा हुआ था। उस समय मैं बस और ट्रेन से सफर करती थी। जब सेट पर पहुंची तब मुझे पता चला कि कल जो शूट हुआ था, वह रात में टेलीकास्ट ही गया। उस शो की लोकप्रियता बहुत बड़ी थी, लोग खूब उस शो को देखते थे। तब मुझे समझ में आया कि लोग मुझे बस और ट्रेन में क्यों घूरकर देख रहे थे। मैंने भगवान का शुक्रिया किया। मेरी कोशिश रही है कि जिंदगी में गलती से भी कोई गलत काम न हो, शायद ईश्वर ने इसी का मुझे ये फल दिया।

सिंगल कॉलम

असम के शिक्षा विभाग में होगी 10 हजार पदों पर बंपर भर्ती, सीएम बिस्वा ने ट्वीट कर किया एलान

असम में एक के बाद एक सरकारी विभागों में भर्तियों के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। सरकारी नौकरी का सपना देखने वालों के लिए अपने सपने को साकार करने का यह सुनहरा अवसर है।इसी क्रम में सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर एक और भर्ती के बारे में जानकारी दी। ट्वीट में उन्होंने कहा, आज, हमारी सरकार ने शिक्षा विभाग में 10,000 से अधिक पदों के लिए रिक्तियां जारी की हैं। हम असम के इतिहास में सबसे पारदर्शी तरीके से 1 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां बनाने के अपने वादे को पूरा करेंगे।

रेलवे में अप्रेंटिस भर्ती के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि आज

दक्षिण पूर्व रेलवे आज अप्रेंटिस के 1745 से अधिक पदों पर भर्ती के लिए पंजीकरण विंडो बंद करने वाला है। जो उम्मीदवार पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे आरआरसी एसईआर की आधिकारिक वेबसाइट rrcser.co.in के माध्यम से कर सकते हैं। पंजीकरण प्रक्रिया 29 नवंबर, 2023 को शुरू हुई थी।पात्रता मापदंड शैक्षणिक योग्यता में किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कुल मिलाकर न्यूनतम 50न्न अंकों के साथ मैट्रिकुलेशन (10+2 परीक्षा प्रणाली में मैट्रिकुलेट या 10वीं कक्षा) और एनसीवीटी/एससीवीटी द्वारा प्रदान किया गया एक आईटीआई पास प्रमाणपत्र (जिस ट्रेड में अप्रेंटिसशिप किया जाना है) शामिल है। उम्मीदवार की आयु 01.01.2024 को 15 वर्ष से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयन प्रक्रिया चयन संबंधित ट्रेडों में अधिसूचना के विरुद्ध आवेदन करने वाले सभी उम्मीदवारों के संबंध में तैयार की गई योग्यता सूची (व्यापार-वार) के आधार पर होगा। प्रत्येक ट्रेड में मेरिट सूची न्यूनतम 50 (कुल) अंकों के साथ मैट्रिक में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के आधार पर तैयार की जाएगी। मैट्रिक के प्रतिशत की गणना के प्रयोजन के लिए, सभी विषयों में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों की गणना की जाएगी, न कि किसी विषय या विषयों के समूह के अंकों के आधार पर।

सोने के दाम फिर रिकार्ड स्तर के करीब, चांदी में भी उछाल

इंदौर। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना एक बार फिर से आल टाइम हाई के करीब पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सोना उछलकर 2,065 डालर प्रति औंस और चांदी उछलकर 24.39 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसके चलते इंदौर में सोना मंगलवार को 63000 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले 2 दिसंबर को सोना इंदौर सराफा में 63150 नकद और 65050 आरटीजीएस में बिक चुका है। इधर, चांदी भी 150 रुपये बढ़कर 74750 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई।दरअसल, सोने की कीमतों में तेजी के दौर की शुरुआत हमास पर इजरायल के हमले के बाद यानी 7 अक्टूबर से हुई। जानकारों के अनुसार, कीमतों में हालिया तेजी की बड़ी वजह सेफ-हेवन एसेट के तौर पर सोने की डिमांड में आ रही बढ़ोतरी है, लेकिन इसके बावजूद भी निवेशकों की डिमांड जैसी होना चाहिए वैसी नहीं है। इससे पहले जब साल 2020 में सोने ने रिकॉर्ड बनाया था तो कीमतों को सबसे ज्यादा सपोर्ट इन्वेस्टमेंट डिमांड से मिला था, लेकिन स्थिति फिलहाल अलग है। कीमतों में तूफानी तेजी तो है लेकिन इन्वेस्टमेंट डिमांड सुस्त है। मार्च-मई 2023 की अवधि को निकाल दें तो अप्रैल 2022 से इन्वेस्टमेंट डिमांड लगातार नेगेटिव जोन में है। हालांकि अब इन्वेस्टमेंट डिमांड में सुधार के संकेत हैं। पिछले महीने के लिए जो आंकड़े आए वह तो कम से कम इसी बात की तस्दीक करते हैं। ज्यादातर जानकार भी मानते हैं कि कीमतों में तेजी बरकरार तभी रह सकती है जब इन्वेस्टमेंट डिमांड रफ्तार पकड़ ले। कामेक्स सोना ऊपर में 2065 तथा नीचे में 2052 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 24.39 व नीचे में 24.12 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इंदौर में सोना केडबरी रवा नकद में 63000 सोना (आरटीजीएस) 64660 सोना (91.60 कैरेट) 59230 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। सोमवार को सोना 62925 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा 74750 चांदी टंच 74900 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 75850 रुपये प्रति किलो बोली गई। सोमवार को चांदी 74600रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 63100 रुपये तथा सोना रवा 63000 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 75000 रुपये तथा चांदी टंच 74900 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा।

रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 64700 रुपये तथा सोना रवा 64650 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 75500 रुपये तथा चांदी टंच 75600 रुपये प्रति किलो बोली गई।

नई फसल से पहले मसूर की कीमतों में सुधार, डालर चने में 100 रुपये बढ़े

इंदौर। मसूर दाल में भी उपभोक्ता पूछताछ बाजार में आने से मिलर्स की भी मांग मंडियों में आना शुरू हो गई है। इसके चलते मसूर के दामों में मजबूती की उम्मीद की जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि देशभर में मसूर दाल में ताजा मांग है।इस बीच लाल सागर में समुद्री लुटेरों के बढ़ते दखल के बाद कई शिपिंग लाइन द्वारा अपने आपरेशन को अस्थायी रोक दिए जाने की चर्चा है। कई शिपिंग लाइन को रास्ता बदलना पड़ा है। इससे फ्रेट के साथ-साथ ट्रांजिट समय भी बढ़ा है। देश में मसूर की बोवनी लगभग पूरी हो चुकी हैं और इस सीजन में बोवनी लगभग स्थिर बताई जा रही है। मध्य प्रदेश में मसूर की बोवनी पिछले साल की तुलना अधिक बताई जा रही है। कई जिलों में रोग लगने की समस्या की रिपोर्ट मिल रही। इस बीच सरकार ने भी पांच लाख टन आयातित मसूर बफर के लिए खरीद लिया है।

इसके बावजूद घरेलू बाजारों में मांग का दबाव बढ़ने पर मसूर में 100-200 रुपये की और तेजी देखने को मिल सकती है। लेकिन नई फसल सामने होने से ज्यादा तेजी भी नजर नहीं आ रही है। इंदौर में मसूर 5900 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली जा रही है। डालर चने में घरेलू पूछताछ आने से भाव में आंशिक तेजी रही। डालर चना कंटेनर में 100 रुपये प्रति क्विंटल तक उछल गया। तुवर दाल में ग्राहकी कमजोर होने से 200 रुपये की मंदी रही। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में स्थिरता रही। कंटेनर में डॉलर चना 40/42 15700, 42/44 15500, 44/46 15300, 58/60 13800, 60/62 13700, 62/64 13600 रुपये क्विंटल रह गया। दलहन के दाम - चना कांटा 5875-5900, विशाल 5700, डंकी 5300-5400, मसूर 5900, तुवर महाराष्ट्र सफेद 9300-9700, कर्नाटक 9800-10000, निमाड़ी तुवर 8000-8700, मूंग 8500, बारिश का मूंग नया 9000-9600, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8200-8700, मीडियम 7000-7700, हल्का उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, मालवराज 2500-2525, मालवराज बेस्ट 2525-2550, पूर्णा 2600-2925 रुपये क्विंटल के भाव रहे। दालों के दाम - चना दाल 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बेस्ट 7800-7900, मसूर दाल 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 9900-10000, बेस्ट 10100-10200, मूंग मोगर 10500-10600, बेस्ट 10700-10800, तुवर दाल 11300-11400, मीडियम 12400-12500, बेस्ट 13400-13600, ए. बेस्ट 14500-14600, व्हाइटरोज तुवर दाल 15000, उड़द दाल 10600-10700, बेस्ट 10800-10900, उड़द मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400 रुपये प्रति क्विंटल। इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-125500, तिबार 9500-10000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9000, मिनी दुबार 7500-8000, मोगरा 4200-6500, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

खेल/प्राणायाम/अरोग्य

मैनचेस्टर सिटी ने एवर्टन को हराया

वोल्व्स-चेल्सी और मैनचेस्टर यूनाइटेड को भी मिली जीत

इंग्लैंड की फुटबॉल लीग प्रीमियर लीग का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बुधवार को कई बेहतरीन मैच खेले गए। इनमें मैनचेस्टर सिटी, वोल्व्स, चेल्सी और मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीत दर्ज की। ब्रेंटफोर्ड के डिफेंडर के बेहद खराब प्रदर्शन के बीच तीन मिनट और तीन सेकेंड में तीन गोल की मदद से वोल्व्स ने प्रीमियर लीग में रिकॉर्ड जीत दर्ज की, जबकि चेल्सी ने पेनल्टी मिलने के बाद अहम जीत दर्ज की। मैनचेस्टर सिटी ने विवादास्पद पेनल्टी के बाद एवर्टन को हरा दिया। चेल्सी और क्रिस्टल पैलेस के बीच खेले गए मुकाबले में जमकर ड्रामा देखने को मिला। वीडियो एसिस्टेंट रेफरी के एक फैसले की वजह से चेल्सी के फैंस गुस्सा गए थे, लेकिन उसके कुछ मिनट बाद ही मिले पेनल्टी पर गोल ने फैंस को चीयर करने का मौका दे दिया। नोनी मदुएके ने 89वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर चेल्सी को 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत की बदौलत मॉरिशियो पोचेटिनो की चेल्सी के लिए 2023 के अंत में सकारात्मक नतीजे आए। इससे पहले मिखायलो मुद्रिक ने 13वें मिनट में गोल कर चेल्सी को 1-0 से आगे कर दिया था। इसके बाद क्रिस्टल पैलेस की ओर से माइकल ओलिसे ने 45+1वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। ऐसा लग रहा था कि यह मैच ड्रॉ होगा, लेकिन पेनल्टी ने चेल्सी को जीत दिला दी। एस्टन विला पर 3-2 से नाटकीय जीत दर्ज की। 26 मिनट में ही यूनाइटेड दो गोल से पिछड़ गया। इस प्रदर्शन पर मैनेजर एरिक टेन हैग की टीम की उसके समर्थकों ने ही हूटिंग शुरू कर दी, लेकिन दूसरे हाफ में यूनाइटेड ने अपने खेल से समर्थकों को जश्न मनाने पर मजबूर कर दिया। टेन हैग ने कहा कि 0-2 से पिछड़ने के बाद मैंने टीम से कहा कि सिर्फ अपने में विश्वास रखो, हम यह मैच जीतेंगे। चार मैचों से यूनाइटेड को न सिर्फ हार मिल रही थी बल्कि उसने कोई गोल भी नहीं किया था। 20 बार की ईपीएल विजेता यूनाइटेड इस सत्र में बुरे दौर से गुजर रही है, लेकिन इस मैच में उसने जबरदस्त वापसी की। तीसरे स्थान पर चल रहे एस्टन विला को पिछले 10 मैचों से हार नहीं मिली थी। जॉन मैक्गिन ने 21वें और लिएंडर डेंडोंकर ने 26वें मिनट में गोल कर विला को 2-0 से आगे कर एक बार जीत की उम्मीदें जगाईं।

गरनाचो ने किए दो गोल- दूसरे हाफ में यूनाइटेड एकदम से बदली टीम नजर आई। 59वें मिनट अलजांद्रो गरनाचो ने गोल किया। 71वें मिनट में उन्होंने एक और गोलकर 2-2 की बराबरी दिला दी। मैच समाप्ति से आठ मिनट पहले रासमुस हाजलुंद ने गोलकर यूनाइटेड को 3-2 से बढ़त दिला दी। इस बढ़त को यूनाइटेड ने मैच के अंत तक कायम रखा। इस जीत से यूनाइटेड छठे स्थान पर आ गया है। मैनचेस्टर सिटी ने एवर्टन को 3-1 से हराया क्लब वर्ल्ड कप जीतने वाले मैनचेस्टर सिटी की टीम को बुधवार को जीत दर्ज करने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एवर्टन को 3-1 से शिकस्त दी। पेप गार्डियोला की टीम को 29वें मिनट में झटका लगा, जब एवर्टन के जैक हैरिसन ने 29वें मिनट में गोल दागा। हाफ टाइम तक एवर्टन की टीम 1-0 से आगे चल रही थी। हालांकि, दूसरे हाफ में सिटी के बर्नार्डो सिल्वा ने शानदार प्रदर्शन किया और सिटी को बढ़त हासिल करने में मदद की। दूसरे हाफ में सिटी के फिल फोडेन ने गोल दाग स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद 64वें मिनट में मैनचेस्टर सिटी को पेनल्टी मिला और उस पर जूलियन अल्वारेज ने गोल दाग स्कोर 2-1 कर दिया। मैच के आखिरी कुछ मिनट में सिल्वा ने गोल दाग अपनी टीम को 3-1 से जीत दिलाई।

वोल्व्स के खिलाफ फुस्स हुए ब्रेंटफोर्ड के डिफेंडर्स -वोल्व्स ने ब्रेंटफोर्ड पर 4-1 की एकतरफा जीत हासिल की। वोल्व्स के लिए गोल का खाता 13वें मिनट में ही खुल गया, जब मारियो लेमिना ने बेहतरीन गोल दागा। इसके 12 सेकंड बाद ही ह्वांग ही चान ने गोल दाग स्कोर 2-0 कर दिया।

सर्दियां बढ़ा सकती हैं आर्थराइटिस की दिक्कत, आप भी हैं शिकार तो जरूर बरतें ये सावधानी

आर्थराइटिस, जोड़ों में होने वाली बहुत आम सी दिक्कत है, आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा काफी बढ़ जाता है। डॉक्टर्स कहते हैं, 45 की आयु के बाद महिला और पुरुष दोनों में इस समस्या का जोखिम अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कम उम्र के लोगों में भी इसका जोखिम रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र से ही इस समस्या से बचाव के लिए सभी लोगों को अलर्ट रहने की जरूरत है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मौसम में भी बदलाव का भी इस स्वास्थ्य समस्या पर असर देखा जाता रहा है। जिन लोगों को गठिया की बीमारी होती है, उनके लिए सर्दियों का समय कठिनाइयों भरा हो सकता है। ठंडा मौसम आर्थराइटिस की समस्या को और भी ट्रिगर कर सकता है, इसमें सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

सर्दियों में ट्रिगर हो सकती है आर्थराइटिस की दिक्कत स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, तापमान में गिरावट के साथ रक्त वाहिकाओं में संकुचन होने लगता है, जिससे जोड़ों में सूजन-कठोरता की दिक्कत हो सकती है। बैरोमीटर दबाव के कारण ठंड के मौसम में गठिया का दर्द अधिक महसूस होता है और जोड़ों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिन लोगों का वजन अधिक होता है, उनके लिए ये मौसम कई और भी प्रकार की जटिलताओं को बढ़ाने वाला हो सकता है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के अनुसार, ठंडा तापमान, दर्द-संवेदनशीलता को बढ़ा सकता है, इसमें रक्त परिसंचरण भी धीमा हो जाता है जिससे मांसपेशियों में ऐंठन बढ़ जाती है। इस तरह की समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी है कि आप ठंड से बचाव करें। अपने आप को गर्म रखने के लिए टोपी, दस्ताने और स्कार्फ पहनें और इलेक्ट्रिक हीटिंग पैड से जोड़ों की सेकाई करें। जोड़ों की कठोरता को कम करने के लिए हल्के गर्म पानी से स्नान करें। गठिया के दर्द से बचने और अपने जोड़ों को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम सबसे अच्छी चीज है। नियमित शारीरिक गतिविधि ऊर्जा को बढ़ावा देने और ताकत-लचीलेपन में सुधार करने में मदद करती है। व्यायाम से फील-गुड हार्मोन भी रिलीज होता है जो शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर है। प्रत्येक सप्ताह कम से कम 150 मिनट की मध्यम-तीव्रता वाले व्यायाम का लक्ष्य रखें। अपने आहार में बदलाव करने से गठिया को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकता है। स्वस्थ पौष्टिक आहार, जिसमें एंटीइंफ्लामेटरी चीजें शामिल हों ये सूजन को कम करने, हड्डियों को मजबूत करने और आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे वसायुक्त मछली, नट्स और सीड्स को आहार का हिस्सा बनाने से लाभ मिल सकता है।

बच्चों के लंच के लिए झटपट तैयार करें ये सैंडविच

हर मां की सबसे बड़ी चिंता होती है कि उनका बच्चा काफी मन से पेट भरकर खाना खाए। जब बच्चे घर पर होते हैं तो घरवाले खासतौर पर बच्चे की मम्मी उन्हें अपने हाथों से खाना खिला देती हैं, लेकिन दिक्कत सामने आती है स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ। स्कूल में वो अकेले ही जाते हैं। ऐसे में उन्हें खाना भी अकेले वो भी खुद से ही खाना पड़ता है। इसी के चलते में हर मां अपने बच्चों को लंच बॉक्स में ऐसी डिशेज पैक करके देती हैं, जिसे वो आसानी खा लें। बच्चों का लंच बनाते वक्त हर मां बस यही सोचती है कि ये डिब्बा खाली होकर ही वापस आए लेकिन कई बार ऐसा नहीं होता। दरअसल, अगर आप सिर्फ अपने हिसाब से बच्चे का लंच तैयार करेंगी तो वो इसे मन से नहीं खाएगा। ऐसे में कभी-कभी बच्चों के मन के पकवानों को भी टिफिन में रखना चाहिए। इसी क्रम में हम आपको आज दो प्रकार के सैंडविच बनाने का तरीका बताने जा रहे हैं, जिसे बच्चे काफी मन से खाते हैं।

अवैध शराब तस्करो के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही

पुलिस अधीक्षक सतना श्री आशुतोष गुप्ता के आदेशानुसार थाना क्षेत्र में लगातार अवैध शराब तस्करो विरूद्ध लगातार थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर कार्यवाही करने के तारतम्य में । विश्वसनीय सूत्रो के माध्यम से अवैध शराब की तस्करी की सूचना पर दिनांक 25.12.2023 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतना श्री विक्रम सिंह एवं उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) श्री विजय प्रताप सिंह परिहार के निर्देशन में थाना प्रभारी थाना रामपुर बाघेलान श्री उमेश प्रताप सिंह द्वारा स.उ.नि. सुरेन्द्र कुमार के हमराह टीम गठित कर रेड कार्यवाही की गई । रेड कार्यवाही दौरान आरोपी हेमन्त तिवारी पिता होरिल प्रसाद तिवारी उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम लेदरा थाना रामपुर बघेलान जिला सतना के अधिपत्य से 400 पाव (72 लीटर) प्रिंस लेमन देशी मदिरा कीमती लगभग 28,000/- रू. की एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल कीमती 55000/- रूपये की कुल जप्तशुदा मशरूका 83000/- रूपये की जब्त की गई आरोपी के विरूध्द थाना रामपुर बाघेलान में अपराध क्रमांक 881/2023 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का कायम किया गया है । आरोपी का नाम पता:- हेमन्त तिवारी पिता होरिल प्रसाद तिवारी उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम लेदरा थाना रामपुर बघेलान जिला सतना जब्त सामग्री कुदो बोरियों में 400 पाव (72 लीटर) प्रिंस लेमन देशी मदिरा कीमती लगभग 28000/- रू. की एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल कीमती 55000/- रूपये की कुल जप्तशुदा मशरूका 83000/- रूपये सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में निरी. उमेश प्रताप सिंह थाना प्रभारी थाना रामपुर बाघेलान, सउनि सुरेन्द्र कुमार, प्र.आर.496 शंकर दयाल मिश्रा, आर. 738 अनूप मिश्रा, आर. 700 प्रवीण तिवारी आदि की सराहनीय भूमिका रही है ।

वीणा पयासी बनी आबकारी उपनिरीक्षक एमपी पीएससी परीक्षा की उत्तीण

सतना-जिले के रामपुर बाघेलान मुख्यालय से सटे ग्राम तपा निवासी वीणा पयासी ने एमपी पीएससी परीक्षा रिजल्ट घोषित होने पर आबकारी उपनिरीक्षक पद पर चयनित हुई है उनकी इस कामयाबी पर तपा गांव का नाम रोशन किया है इससे पहले भी वीणा पयासी के भाई कृष्णम पयासी एमपी पीएससी परीक्षा उत्तीण कर चुके हैं और रेंजर पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं वीणा पयासी के पिता रघुवंश भूषण पयासी शिक्षक है और महुरछ कदैला में पदस्त है वही बड़े भाई हरि ओम पयासी सोनू सीआरपीएफ में कम्पनी कमांडेंट पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं वही छोटा भाई कृष्णम पयासी एमपी पीएससी उत्तीण कर वन विभाग में रेंजर पद पर पदस्त है वीणा पयासी समाजसेवी अचलेश पयासी अच्चू तपा की छोटी बहन है उनकी इस कामयाबी पर पूरे गांव में खुशी की लहर देखी जा रही है बिंद क्षेत्र के अंदर खुशी का माहौल है वह कम उम्र में लोगों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत का कार्य कर रही है एक अच्छी संस्था की तैयारी करने वाले सभी विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए जो शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में एक मजबूती प्रदान करेगा

अधिकारी-कर्मचारी पदस्थापना स्थल में मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं

रीवा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को उनकी पदस्थापना स्थल में मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जो व्यक्ति एक स्थान पर तीन महीने से अधिक निवास करता है उसे मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का हक है। अधिकारी-कर्मचारी अपनी पदस्थापना स्थल तथा मुख्यालय में नियमित रूप से निवास करते हैं। इसके बावजूद कई अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा अपना नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं कराया गया है। मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य जारी है। इसमें अपना नाम पदस्थापना स्थल की मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल कराएं। सभी कार्यालय प्रमुख अधीनस्थ अधिकारियों का नाम उनकी पदस्थापना के विधानसभा क्षेत्र में दर्ज कराकर एक जनवरी 2024 तक जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें।

लेखा समाधान संबंधी बैठक आज

रीवा 27 दिसम्बर 2023. विधानसभा चुनाव में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों को चुनाव परिणामों की घोषणा के एक माह की अवधि में निर्वाचन व्यय की जानकारी देना आवश्यक है। इस संबंध में उम्मीदवारों तथा उनके लेखा प्रभारियों को प्रशिक्षण देने के लिए 28 दिसम्बर को निर्वाचन व्यय प्रेक्षक की उपस्थिति में लेखा समाधान बैठक आयोजित की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने वीर बाल दिवस के माध्यम से साहिबजादों की वीर गाथा व समर्पण भाव को जन-जन तक पहुँचाने का अभिनंदनीय कार्य किया है

श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों की शहादत हमें बलिदान, त्याग और अमरता का संदेश देती हैं- डॉ शरद विजयवर्गीय

धार । भारतीय जनता पार्टी द्वारा वीर बाल दिवस के अवसर पर चारों साहिबजादों के अतुलनीय बलिदान को नमन करने हेतु धार कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे छात्राओं द्वारा बनाई बलिदान से जुड़ी रांगोलियां एवं पेंटिंग की प्रदर्शनी भी लगाई गई ।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ.शरद विजयवर्गीय, वक्ता श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा साहिब धार के ज्ञानी जी, दरबार सिंह, कार्यक्रम संयोजक एवं जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष दीपक बिड़कर,भाजयुमो जिला महामंत्री अंकित भावसार,कार्यक्रम सह संयोजक एवं भाजयुमो जिला मंत्री जसप्रीत सिंह डंग मंच पर उपस्थित रहे

डॉ शरद विजयवर्गीय ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों की शहादत हमें बलिदान, त्याग और अमरता का संदेश देती हैं। 9 जनवरी

2022 को श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने वीरबाल दिवस मनाने की घोषणा की थी। वीर बाल दिवस हमें देश के सम्मान की रक्षा के लिए 10 सिख गुरुओं के महान योगदान और सिख परंपरा के बलिदान को स्मरण कराया। गुरु गोविंद सिंह हिंदुत्व के पक्के हितैषी थे मुगलों ने उन्हें धर्मांतरण करने के लिए प्रेरित किया लेकिन उन्होंने उनके सामने यह मांग स्वीकार नहीं की और उन्होंने अपना बलिदान दे दिया उनके दोनों पुत्र का बलिदान भी हम सबके लिए स्मरणीय रहेगा की जिन्होंने अपने और राष्ट्र के प्रति इतनी बड़ी आहुति देकर अपना बलिदान दिया और वह कभी किसी के सामने झुके नहीं। जिम हमेशा हिंदुत्व की लहर उनके रक्त की भुजाओं जागृत होती थी।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में धार कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग डायरेक्टर डॉ आशीष चौहान ,धार कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग सीईओ श्रीमती मोनिका चौहान,भाजयुमो कुशाभाऊ ठाकरे मंडल अध्यक्ष करण पटेल, भाजयुमो सेनापति मंडल अध्यक्ष बादल मालवीय,भाजपा कुशाभाऊ ठाकरे मंडल के कार्यालय मंत्री सनी होडा, विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक आशुतोष विजयवर्गीय आदि पस्थित रहे । इस दौरान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ! संचालन जसप्रीत सिंह डंग ने किया एवं आभार श्रीमती मोनिका चौहान ने माना । उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने तीन दिवसीय भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस का किया शुभारंभ

इंजीनियर देश के विकास की रीढ़ है: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) लोकल सेंटर जबलपुर के तत्वावधान में तीन दिवसीय 38वीं भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस का उद्घाटन प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया। इस वर्ष रीइमेजिनिंग टुमॉरो- शेपिंग द फ्यूचर डिसरप्टिव एंड इंटरडिसिप्लिनरी टेक्नोलॉजीज विषय पर इंजीनियरिंग कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में पहली बार इतना बड़ा आयोजन हो रहा है। इस आयोजन से प्रदेश सरकार पूरी तरह फायदा उठायेगी। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कांग्रेस के दौरान जो भी पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे इसका पूर्ण अध्ययन प्रदेश सरकार कराएगी और प्रदेश के विकास में उसका उपयोग किया जाएगा। शुक्ल ने कहा कि सरकार इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स के सुझावों पर विचार कर उसे लागू करने के लिए तत्पर रहेगी। इंजीनियर हमारे देश के विकास की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ता विकसित राज्य है जिसमें इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने समाज में इंजीनियरों की भूमिका के बारे में बोलते हुए कहा कि इंजीनियरों पर राष्ट्रीय नुकसान से देश को बचाने की जिम्मेदारी भी है क्योंकि इंजीनियर कम खर्चे में ज्यादा काम करवाने में सक्षम रहते हैं। उन्होंने कहा कि इंजीनियरों के पास ज्ञान और क्षमता है जिससे वह समाज के हर वर्ग के लिए अपना पर्याप्त योगदान देते हैं।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व सचिव यूपी सिंह थे। इस अवसर पर मेजर जनरल डॉ एमजेएस सायली, सेक्रेटरी एवं संचालक जनरल जनरल आईईआई जबलपुर लोकल सेंटर के अध्यक्ष ब्रिगेडियर व्ही के त्रिवेदी, आईईआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ जी रंगनाथ, आईईआई के वर्तमान अध्यक्ष इंजीनियर शिवानंद राय, ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के अध्यक्ष राकेश कुमार राठौर एवं जबलपुर लोकल सेंटर के सेक्रेटरी राजीव जैन, जबलपुर लोकल सेंटर आईके खन्ना, विनोद बिलथरे, वीरेंद्र साहू, तरुण आनंद, पी सी दुबे सहित अनेक इंजीनियर और विशेषज्ञ, प्रसिद्ध उद्योगपति उपस्थित रहे। पहले दिन प्रस्तुत हुए मेमोरियल लेक्चर - आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी इंजीनियर तरुण आंनद ने बताया कि 38 वीं इंडियन इंजीनियरिंग कांग्रेस के पहले दिन अनेक मेमोरियल लेक्चर प्रस्तुत किए गए। इसमें सर एम विश्वेसवरैया मेमोरियल लेक्चर कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के रिटायर्ड डायरेक्टर डॉक्टर एस सुमंत ने प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने पावर ट्रांसमिशन क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी और गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होने वाली विद्युत को ट्रांसमिशन नेटवर्क में इंटीग्रेटेड करने के संबंध में अपने विचार रखें। इसके अलावा भैक्का मेमोरियल लेक्चर, सर राजेंद्र नाथ मुखर्जी मेमोरियल लेक्चर, नीधु भूषण मेमोरियल लेक्चर, डॉ एएन खोसला मेमोरियल लेक्चर, डॉ अमिताभ भट्टाचार्य मेमोरियल लेक्चर, प्रोफेसर सीएस झा मेमोरियल लेक्चर एवं डॉ केएल राव मेमोरियल लेक्चर प्रस्तुत किए गए। वूमेन इंजीनियर्स मीट - इस कांग्रेस में विभिन्न कार्यक्रमों के अलावा वूमेंस इंजीनीयर्स मीट विशनरी टॉक, एल्युमिनाई मीट जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

रात करीब 2.30 बजे हुआ हादसा, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

भोजनालय में लगी भीषण आग फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

शाजापुर। बस स्टैंड स्थित एक भोजनालय में अज्ञात कारणों से आग लग गई। गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने जब दुकान से धुंआ उठता देखा तो संचालक को और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी, जिन्होंने पहुंचकर आग पर काबू पाया लेकिन तब तक लाखों का नुकसान हो चुका था।

जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार रात करीब 2.30 बजे की है। जब गश्त कर रहे कुछ पुलिसकर्मियों ने बस स्टैंड स्थित वैष्णव भोजनालय से धुंआ उठता देखा। इस पर उन्होंने संचालक को इसकी सूचना दी जो तुरंत मौके पर पहुंचे और दुकान खोली तो वहां से आग की लपटें उठ रही थी। इस पर उन्होंने फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी जिसकी सहायता से आग पर काबू पाया गया। दुकान संचालक ने बताया कि इस हादसे में उसे लाखों का नुकसान हुआ है। वहीं आग कैसे लगी इस बारे मे किसी को कोई जानकारी नहीं है।

पुलिसकर्मियों की सजगता से टल गया बड़ा हादसा

मंगलवार रात हुआ हादसा भीषण

रूप ले सकता था। गनीमत रही कि समय रहते वहां गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने धुंआ उठते देखा और तुरंत संचालक को सूचना दी। यदि थोडी देर हो जाती तो इस आग की चपेट में आसपास की अन्य दुकाने भी आ सकती थी। वहीं इस भोजनालय के आसपास भी होटल ओर अन्य भोजनालय भी हैं। जहां गैस सिलेंडर भी रखे हुए हैं जिसकी चपेट में अन्य दुकाने भी आ सकती थी और हादसा गंभीर हो सकता था।

यू डायस की दो दिन में शत-प्रतिशत फीडिंग कराएं : प्रभारी कलेक्टर

रीवा। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने कहा कि पोर्टल पर तीन विकासखण्डों सिरमौर, त्योंथर तथा गंगेव की फीडिंग 90 प्रतिशत से कम है। सभी बीईओ दो दिवस में यू डायस की शत-प्रतिशत फीडिंग कराएं। इसका पालन न करने वाले बीईओ की वेतन रूकेगी। शिक्षा की गुणवत्ता तथा परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए लगातार प्रयास करें। जिन स्कूलों का परीक्षा परिणाम गत तीन वर्षों में कम रहा वहाँ विशेष ध्यान दें। यदि विषयवार शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई में असर पड़ रहा है तो आसपास के स्कूलों से विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की व्यवस्था कराएं। बोर्ड के प्रश्नपत्रों के आधार पर ली गई छमाही परीक्षा के परीक्षा परिणाम एक सप्ताह में प्रस्तुत करें। इन परिणामों के आधार पर कमजोर परिणाम वाले स्कूलों का चिन्हांकन करके समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान तथा अंग्रेजी विषय में विशेष रूप से मार्गदर्शन दें। इन विषयों के शिक्षक एक सप्ताह पढ़ाई कराने के बाद बच्चों का टेस्ट लें। टेस्ट के परिणामों के आधार पर बच्चों को उचित मार्गदर्शन दें। प्राथमिक तथा माध्यमिक स्कूलों से शाला त्यागी बच्चों के आंकड़े तर्कसंगत नहीं हैं। बच्चों के शाला त्यागने के कारणों का पता लगाएं। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी तथा बीआरसी स्कूलवार शाला त्यागी बच्चों का विश्लेषण करें। इसकी रिपोर्ट 28 दिसम्बर को दोपहर तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। जिला शिक्षा अधिकारी तथा बीईओ संकुल प्राचार्यों की बैठक लेकर बोर्ड परीक्षा की तैयारियों की नियमित समीक्षा करें। जब तक सही रणनीति बनाकर लगातार प्रयास नहीं किए जाएंगे तब तक परीक्षा परिणामों में सुधार नहीं होगा। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी जीपी उपाध्याय, डीपीसी डीके मिश्रा, सभी बीईओ तथा बीआरसी उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था करें: डॉ सोनवणे

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था करें। यह व्यवस्था जिले के सौ माडल आंगनवाड़ी केन्द्रों में शुरू की जा रही है। शेष आंगनवाड़ी केन्द्रों में भी इसे लागू करने के लिए कार्ययोजना बनाएं। इसके लिए प्रत्येक विकासखण्ड में चुने हुए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षित शिक्षक आंगनवाड़ी केन्द्रों से संपर्क करके शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करें। महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक इस कार्य की मानीटरिंग करें। कई आंगनवाड़ी केन्द्र स्कूल परिसर में ही संचालित हैं। आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चे पाँच वर्ष की आयु के बाद स्कूलों में ही प्रवेश लेते हैं। यदि बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्र में अनौपचारिक शिक्षा दी जाएगी तो उनमें शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ेगी। खेल-खेल में छोटी-छोटी बातें बच्चों को सिखाएं। कविताओं तथा कहानियों के माध्यम से भी बच्चों को शिक्षा से जोड़ें। प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने के लिए पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। उन्हें प्रशिक्षण भी दिया गया है। बच्चों को शिक्षित करने के लिए कई एप और वीडियो उपलब्ध हैं। इन्हें शिक्षक अपने टैबलेट के माध्यम से बच्चों को दिखाएं। निष्ठा एप तथा गूगल के रीड एलान्ग एप को डाउनलोड करके भी उपयोगी सामग्री प्राप्त की जा सकती है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा जिला समन्वयक शिक्षा मिशन मिलकर कार्ययोजना तैयार करें। इसकी एक सप्ताह में पुनः समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी जीपी उपाध्याय, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय, सहायक संचालक आशीष द्विवेदी, डीपीसी डीके मिश्रा, बीईओ, बीआरसी तथा पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

शहर के यातायात को व्यवस्थित करने के लिए लगातार प्रयास करें: प्रभारी कलेक्टर

***रीवा।** कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहन चालकों को जागरूक करने के साथ यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। सभी अधिकारी बैठक में लिए गए निर्णयों पर प्रभावी कार्यवाही करें। लोक निर्माण विभाग, सड़क विकास निगम तथा एनएचआई के अधिकारी जिले की सभी प्रमुख सड़कों के ब्लैक स्पाटों पर दुर्घटना रोकने के उपाय करें। रीवा प्रयागराज मार्ग में सोहागी घाटी पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इसमें संकेतक लगाने, सड़क के सुधार तथा सड़क को चौड़ा करने की कार्यवाही तत्काल शुरू कराएं।*

प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि रीवा शहर के यातायात को व्यवस्थित करने के लिए लगातार प्रयास करें। बैठक में निर्णय लिया गया कि धोबिया टंकी से पीटीएस चौराहे को जाने वाली रोड़ से अवैध कब्जा हटाकर उसका विस्तार किया जाएगा। नगर निगम ठेले वालों के लिए स्थान विकसित करेगा। शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गों में नगर निगम भारी वाहनों की नो इन्ट्री का बोर्ड लगाएगा। बैठक में सिरमौर चौराहे से समदड़िया गोल्ड तक रोड डिवाइडर लगाने, रेलवे ओवर ब्रिज में ट्रांसपोर्ट नगर मोड़ पर रम्बल स्पीड ब्रोकर लगाने तथा अस्पताल तिराहे की श्रमिक मण्डी को समान फ्लाई ओवर के नीचे स्थानांतरित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में मार्तण्ड स्कूल तिराहा तथा ढेकहा तिराहा में ट्रैफिक सिग्नल शुरू कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में कार्यपालन यंत्री सेतु निगम वसीम खान ने बताया कि सिरमौर चौराहे से सुभाष चौक तक के ओवर ब्रिज के किनारे की सड़कों तथा नाली निर्माण का कार्य 31 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन ने कहा कि शहर में जहाँ आवश्यक होगा वहाँ नगर निगम डिवाइडर बनाएगा। सोमवारी बाजार को मानस भवन परिसर तक सीमित रखने के लिए पुलिस तथा नगर निगम मिलकर प्रयास करेंगे। यातायात पुलिस को कलेक्ट्रेट से जिला पंचायत की तरफ जाने वाली सड़क में अवैध रूप से खड़े वाहनों पर चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला प्रबंधक एमपीआरडीसी को सभी फोरलेन मार्गों की सर्विस लेन का निर्माण पूरा कराने तथा उन्हें अतिक्रमण से मुक्त कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी को नेहरू नगर में आवासीय क्षेत्र में संचालित गैस एजेंसी के गोदाम को हटाने के निर्देश दिए गए। बैठक में समिति के सदस्यों ने शहर के बाहर नवीन ट्रांसपोर्ट नगर बनाने, माडल रोड के अनावश्यक कट्स बंद करने, रानी तालाब पार्किंग से अतिक्रमण हटाने तथा जय स्तंभ चौक की रोटरी को छोटा करने का सुझाव दिया। बैठक में उप पुलिस अधीक्षक यातायात मनोज शर्मा ने यातायात समिति के निर्णयों पर की गई कार्यवाही की जानकारी दी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर, परिवहन अधिकारी मनीष त्रिपाठी, यातायात प्रभारी, अन्य अधिकारीगण तथा समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

सिंगल कॉलम

यादों में भारत...खट्टी-मीठी यादें देकर जा रहा साल 2023

भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए 2023 एक ऐतिहासिक वर्ष रहा जिसमें रक्षा निर्यात और उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। देश अब अपने रक्षा उद्योग की शक्ति का प्रदर्शन करते हुए 85 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है। भारत सरकार के शुद्ध आयातक से शुद्ध...रक्षा उपकरण आयातक से निर्यातक बना भारत भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए 2023 एक ऐतिहासिक वर्ष रहा जिसमें रक्षा निर्यात और उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। देश अब अपने रक्षा उद्योग की शक्ति का प्रदर्शन करते हुए 85 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है। भारत सरकार के शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक बनने के रणनीतिक परिवर्तन ने देश के रक्षा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। रक्षा निर्यात में वृद्धि देखी गई जो वित्तीय वर्ष में अभूतपूर्व 16,000 करोड़ तक पहुंच गया। पिछले वर्ष की तुलना में यह लगभग 3,000 करोड़ रुपए अधिक है। एल.सी.ए.-तेजस, हल्के लड़ाकू हैलीकॉप्टर, विमान वाहक और अन्य उत्पादों में उल्लेखनीय रुचि के साथ भारत की रक्षा क्षमताओं की वैश्विक मांग में काफी वृद्धि देखी गई। लोकतंत्र का नया मंदिर खट्टी-मीठी यादें देकर वर्ष 2023 कुछ ही दिनों में समाप्त होने वाला है। यह वर्ष देश को बहुत कुछ देकर गया। इस वर्ष विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को नए संसद भवन के रूप में लोकतंत्र का नया मंदिर मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई महीने में इस नए संसद भवन का उद्घाटन किया। 1200 करोड़ में बने विशाल भवन में लोकसभा कक्ष में 888 सदस्य और राज्यसभा कक्ष में 300 सदस्य आराम से बैठ सकते हैं। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक होने की स्थिति में लोकसभा कक्ष में कुल 1280 सदस्य बैठ सकते हैं। पी. एम. मोदी ने 10 दिसम्बर 2020 को नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी और तीन वर्ष से कम समय में यह बनकर तैयार खड़ा है। 64,500 वर्ग मीटर में फैली ये चार मंजिला इमारत त्रिकोणीय आकार की है। एरिया के हिसाब से देखें तो यह पुराने संसद भवन से करीब 17,000 वर्ग मीटर बड़ा है। इसके अलावा इसे अत्याधुनिक तकनीक से तैयार किया गया है और इस पर भूकंप का असर नहीं होगा। 18 जुलाई, 2023 को एक गठबंधन की घोषणा की गई और इसे इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन) नाम दिया गया। कांग्रेस के नेतृत्व में भारत में 28 राजनीतिक दलों का एक बड़ा राजनीतिक गठबंधन है। गठबंधन का प्राथमिक उद्देश्य 2024 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को हराना है।

राजौरी पहुंचे राजनाथ सिंह, बोले- शहीदों को भुलाया नहीं जा सकता

जम्मू - जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले में 5 सैनिकों के वीरगति को प्राप्त होने के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे। सेना की गाड़ियों पर हुए आतंकी हमले को लेकर सेना के साथ-साथ भारत सरकार भी अति गंभीर है। इस बीच केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज राजौरी पहुंचे, जहां उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की । सिंह का हवाई अड्डे पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने स्वागत किया। सिंह के साथ सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे भी मौजूद थे। इस दौरान राजनाथ ने सेना का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हर जवान परिवार की तरह है। शहीदों को भुलाया नहीं जा सकता। राजनाथ ने कहा, हर जवान हमारे लिए परिवार की तरह है। सरकार हर हाल में आपके साथ है। शहीदों को भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन हमें और सहज रहने की जरूरत है। हमारे सेना पहले से काफी मजबूत है। हमें जंग के साथ देशवासियों का दिल जीतना भी जरूरी है। सिंह का कहना है, मैं घायल हुए सेना के जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। मैं आपको यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हमारी सेना का प्रत्येक जवान महत्वपूर्ण है। पुंछ के बफलियाज में 21 दिसंबर को ढेरा की गली और धत्यार मोड़ के बीच घात लगाकर किए गए हमले के बाद क्षेत्र में आतंकवाद निरोधक अभियान जारी है। क्षेत्र में जारी आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान 22 दिसंबर को तीन लोग मृत पाये गये थे जिनकी उम्र 27 से 42 वर्ष के बीच थी । इसके बाद यह आरोप लगने से लोगों में आक्रोश फैल गया कि उन्हें आतंकवादी हमले के बाद पूछताछ के लिए सेना ने उठाया था। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री के राजौरी दौरे के दौरान मृतकों के परिजनों से भी मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि राजौरी से लौटने पर सिंह यहां राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं। रक्षा मंत्री के दौरे के मद्देनजर पूरे जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

नहीं रहे नेता विजयकांत, कोरोना संक्रमण के चलते हुई मौत

नेशनल डेस्क- देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) के संस्थापक और गुजरे जमाने के लोकप्रिय तमिल अभिनेता विजयकांत का गुरुवार को चेन्नई के एक अस्पताल में निधन हो गया। 'मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमेटोलॉजी (एमआईओटी) इंटरनेशनल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''विजयकांत को निमोनिया के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था इसके बाद से वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। चिकित्सकर्मियों के प्रयासों के बावजूद 28 दिसंबर 2023 की सुबह उनका निधन हो गया। डाक्टर के बयान के मुताबिक, निमोनिया के लिए भर्ती होने के बाद कैप्टन विजयकांत वेंटिलेटरी सपोर्ट पर के बावजूद 28 दिसंबर 2023 की सुबह उनका निधन हो गया।

इंडोनेशिया में रोहिंग्याओं को शरण देने पर भड़के छात्र

बोले- ये लोग बिन बुलाए आए, तुरंत वापस भेजो

इंडोनेशिया में म्यांमार के रोहिंग्या शरणार्थियों का जमकर विरोध हो रहा है। इंडोनेशिया यूनिवर्सिटी के छात्रों की भीड़ ने पश्चिमी शहर बांदा आचे में रोहिंग्याओं के एक अस्थाई आश्रय पर धावा बोल दिया। उन्होंने इन शरणार्थियों के निर्वासन की मांग की। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पुलिस ने बहुत मुश्किल से इन लोगों से रोहिंग्या शरणार्थियों को बचा पाया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आ रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि कई छात्र हरे रंग की जैकेट पहने हुए हैं और एक इमारत के बड़े बेसमेंट में भाग रहे हैं। वहीं रोहिंग्या पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की भीड़ फर्श पर बैठी है और डर के मारे रो रही है। फिलहाल, इस घटना पर शहर की पुलिस का कोई बयान नहीं आया है। 137 शरणार्थियों को जबरन दो ट्रकों में भरा बुधवार की घटना में शरणार्थियों को बाहर ले जाते और उन्हें ट्रकों में लादते देखा जा सकता है। कुछ निवासी अपना सामान प्लास्टिक की थैलियों में अपने साथ ले जाते दिखे। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने हमले पर चिंता जताई। उन्होंने बेहतर सुरक्षा का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि भीड़ ने पुलिस घेरा तोड़कर 137 शरणार्थियों को जबरन दो ट्रकों में भरा और उन्हें दूसरे स्थान पर ले गए। इस घटना ने शरणार्थियों में खौफ भर दिया है। गलत जानकारी फैलने के बाद घटना हुई

छात्रों ने मांग की कि शरणार्थियों को स्थानीय आव्रजन (इमीग्रेशन) ऑफिस ले जाया जाए और फिर उन्हें निर्वासित किया जाए। प्रदर्शनकारी छात्र इन्हें बाहर निकालने के नारे लगा रहे थे। एजेंसी ने कहा कि यह घटना ऑनलाइन गलत जानकारी और हेट स्पीच के बाद हुई है। लेकिन आखिर रोहिंग्या इंडोनेशिया में कहां से आ गए। रोहिंग्या भेदभाव और

दुर्व्यवहार का सामना कर रहे पश्चिमी म्यांमार में रहने वाले रोहिंग्या भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना कर रहे हैं। इस कारण वह अपना देश छोड़ने को मजबूर हैं। रोहिंग्या आसपास के देशों में शरण ले रहे हैं। मुस्लिम बाहुल्य इंडोनेशिया और मलेशिया के अलावा फिलिपींस, बांग्लादेश और भारत में भी रोहिंग्या मुस्लिम रहते हैं। यह समुद्री मार्ग से भी दूसरे देशों में पहुंचते हैं। अप्रैल से नवंबर में जब समुद्र शांत रहता है, तब यह नाव से यात्रा करते हैं। रोहिंग्या की वृद्धि के लिए इंडोनेशिया के वर्तमान राष्ट्रपति जोको विडोडो ने मानव तस्करी को जिम्मेदार बताया। वहीं, एजेंसी के आंकड़े के मुताबिक नवंबर से अब तक 1,500 से ज्यादा रोहिंग्या इंडोनेशिया में आ चुके हैं, जो वर्षों में सबसे बड़ी संख्या मानी जा रही है। उनकी बढ़ती संख्या से स्थानी लोग निराश हैं। यह उनका देश नहीं...

बांदा आचेह में 23 वर्षीय छात्रा वरीजा अनीस मुनांदर ने बुधवार को शहर में एक विरोध रैली में रोहिंग्या के निर्वासन का आह्वान किया। वहीं, एक अन्य छात्र 20 वर्षीय डेला मसरिदा ने कहा कि रोहिंग्या बिना बुलाए यहां आ गए हैं और उन्हें अब लगता है कि यह उनका देश है।

70 साल की महिला ने दिया जुड़वां बच्चों को जन्म

लोग मारते थे ताना

इंटरनेशनल डेस्क: युगांडा की एक दलिचस्प खबर सोशल मीडिया पर चर्चा की विषय बनी हुई है। वहां एक 70 साल की महिला सफीना ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है। इस उम्र में जुड़वा बच्चे को जन्म देना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। सफीना नामुकवेया ने राजधानी कंपाला के एक अस्पताल में एक बेटी और एक बेटे को जन्म दिया है। सफीना नामुकवेया ने कंपाला के एक फर्टिलिटी सेंटर में सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। अस्पताल ने सफीना नामुकवेया को बधाई देते हुए उन्हें बच्चे को जन्म देने वाली सबसे उम्रदराज महिलाओं में से एक बताया। महिला अस्पताल इंटरनेशनल एंड फर्टिलिटी सेंटर के विशेषज्ञ डॉ. एडवर्ड तमाले ने बताया कि महिला ने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रिया के लिए एक डोनर के अंडे और अपने साथी के शुक्राणु का इस्तेमाल किया। बच्चों का जन्म समय से पहले 31 सप्ताह में हुआ और उन्हें इनक्यूबेटर में रखा गया है, जो फिलहाल स्वस्थ्य हैं। अस्पताल ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, यह एक चमत्कार जैसा है..मां और बच्चे दोनों ठीक हैं। सफीना नामुकवेया और हमारी टीम को इसके लिए बधाई। बता दें कि, इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन के दौरान महिला के अंडाशय से एक अंडा निकाला जाता है, जिसे

प्रयोगशाला में शुक्राणु के साथ निषेचित किया जाता है और निषेचित अंडे को बढ़ने और विकसित होने के लिए महिला के गर्भ में डाल दिया जाता है। युगांडा के डेली मॉनिटर अखबार से बातचीत में महिला ने बताया कि उनकी प्रेग्नेंसी काफी कठिन थी, क्योंकि जब उनके पार्टनर को पता चला कि उनके जुड़वां बच्चे होने वाले हैं तो उन्होंने साथ छोड़ दिया। नामुकवेया की तीन वर्षों में यह दूसरी डिलीवरी है। इससे पहले 2020 में उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया था। उन्होंने कहा, उसका नि:संतान होने का मजाक उड़ाया जाता था, इसकी वजह से उन्होंने दूसरा बच्चा पैदा करने का फैसला किया। मैंने लोगों के बच्चों की देखभाल की और उन्हें बड़े होते देखा और मुझे अकेला छोड़ दिया गया। मुझे इस बात की चिंता थी कि जब मैं बूढ़ी हो जाऊंगी तो मेरी देखभाल कौन करेगा? अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उसने दाता अंडे का उपयोग किया था या अपने स्वयं के अंडे का, जिसे उसने वर्षों पहले फ्रीज कराया था. आमतौर पर महिलाएं 45 से 55 वर्ष की उम्र के बीच मेनोपॉज से गुजरती हैं. इस समय के आसपास प्रजनन क्षमता कम हो जाती है लेकिन चिकित्सा में प्रगति ने उनके लिए बच्चे को जन्म देना संभव बना दिया है

इजराइल ने भारत में अपने नागरिकों के लिए जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

यरुशलम- इजराइली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी (यात्रा परामर्श) जारी की और संदेह व्यक्त किया कि मंगलवार को नई दिल्ली में इजराइली दूतावास के पास हुआ विस्फोट ''आतंकवादी हमला हो सकता है। दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित इजराइल के दूतावास के पास मंगलवार शाम एक विस्फोट हुआ और घटनास्थल से इजराइली राजदूत को ''अभद्र भाषा में संबोधित एक पत्र बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। विस्फोट के संबंध में इजराइली दूतावास के प्रवक्ता गाइ नीर ने कहा, ''हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि शाम करीब 5:48 बजे दूतावास के नजदीक एक विस्फोट हुआ था। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा टीम अब भी स्थिति की जांच कर रही हैं। इजराइली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) ने यात्रा परामर्श इसी घटना के मद्देनजर जारी किया है। इजराइली नागरिकों से भीड़-भाड़ वाले स्थानों (मॉल अथवा बाजार) पर जाने से बचने तथा ऐसे स्थानों पर नहीं जाने की सलाह दी गई है जो यहूदियों या इजराइलियों से किसी प्रकार से जुड़े हों। परामर्श में इजराइली प्रतीकों को प्रदर्शित करने से बचने, बड़े स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने से बचने साथ ही सोशल मीडिया पर किसी यात्रा के बारे में जानकारी देने अथवा किसी यात्रा से जुड़ी ऐसी तस्वीर या यात्रा के विवरण को साझा करने से बचने के लिए कहा गया है जिससे यह पता चलता हो कि आप वर्तमान में कहां हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ। मंत्रालय ने कहा था,'' स्थानीय अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं और इजराइली सुरक्षा बल उन्हें सहयोग दे रहे हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दूतावास के समीप स्थित केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के बाहर हरित क्षेत्र में हुए विस्फोट के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ की टीम, बम निरोधक दस्ता और दमकलकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे।

यूक्रेन की मदद के लिए अंतिम बार आगे आया अमेरिका

250 मिलियन डॉलर की सैन्य सहायता का ऐलान

इंटरनेशनल डेस्क: रूस-यूक्रेन के बीच लगभग डेढ़ साल से ज्यादा समय से युद्ध जारी है। वहीं एक बार फिर अमेरिका ने यूक्रेन को सैन्य सहायता देने का ऐलान किया है। हालांकि साथ में व्हाइट हाउस ने चेतावनी भी दी है कि एडिशनल फंड की मंजूरी के बिना यूक्रेन की लड़ाई के लिए अमेरिकी सहायता वर्ष के अंत तक समाप्त हो जाएगी। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि अमेरिका इस साल रूस के साथ युद्ध में कीव की मदद के लिए सहायता के अंतिम पैकेज में यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर तक के हथियार और उपकरण प्रदान करेगा। ब्लिंकन ने कहा कि नए सहायता पैकेज में वायु रक्षा युद्ध सामग्री, उच्च गतिशीलता तोपखाने रॉकेट सिस्टम के लिए

अतिरिक्त गोला-बारूद, तोपखाने गोला-बारूद, एंटी-आर्मर गोला-बारूद और 15 मिलियन से अधिक राउंड गोला-बारूद शामिल विभाग के नियंत्रक माइक मैककॉर्ड ने कांग्रेस को लिखे एक पत्र में कहा, एक बार जब ये धनराशि बाध्य हो जाती है

दुनिया भर के सिखों ने वीर बाल दिवस मनाने के लिए मोदी को किया धन्यवाद

इंटरनेशनल डेस्क: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले साल गुरु गोविंद सिंह के दो बेटों की शहादत की याद में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के ऐलान के इस साल आज वीर बाल दिवस के अवसर पर देश भर में सरकारी स्तर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मोदी भी शामिल हुए। वीर बाल दिवस पर आयोजनों को लेकर पूरी दुनिया के सिख समुदाय ने खुशी जाहिर की है और मोदी के इस कदम की सराहना की। कनाडा से हमदर्द मीडिया ग्रुप के संस्थापक और एमडी अमर सिंह भुल्लर ने भी पूरे सिख समुदाय की तरफ से पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और उनके इस कदम की तारीफ की। अमेरिका के बिजनेसमैन दर्शन सिंह धालीवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने सिख समुदाय के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने लंगर से भी जीएसटी हटाया है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में स्थित गुरुद्वारों में आज वीर बाल दिवस मनाया गया। इनमें दुबई, न्यूजीलैंड, ग्रीस आदि जगहों पर भी गुरुद्वारों में वीर बाल दिवस मनाया गया और साहिबजादों की शहादत को याद किया गया। अमेरिका में सिख समुदाय के जसपाल सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वीर बाल दिवस मनाने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इंडियन माइनॉरिटीज फाउंडेशन के संयोजक सतनाम सिंह संधू ने ब्रूकफील्ड के गुरुद्वारा साहिब में वीर बाल दिवस मनाते हुए कहा कि पीएम मोदी के इस कदम से लोगों को सिख इतिहास के बारे में ज्यादा जानकारी होगी। कनाडा से हमदर्द मीडिया ग्रुप के संस्थापक और एमडी अमर सिंह भुल्लर ने भी पूरे सिख समुदाय की तरफ से पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और उनके इस कदम की तारीफ की।

रूस में अपने दोस्त से मिलने का इंतजार कर रहा हूं

व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को रूस आने का दिया न्योता

नेशनल डेस्क- राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को अगले साल रूस की यात्रा के लिए आमंत्रित किया, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्रेमलिन में रूसी नेता से मुलाकात की। पुतिन ने जयशंकर से कहा, हमें अपने मित्र श्रीमान प्रधानमंत्री मोदी को रूस में देखकर खुशी होगी। रूस की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए जयशंकर ने इससे पहले अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात की। अपनी वार्ता के बाद लावरोव के साथ संयुक्त मीडिया उपस्थिति के दौरान, जयशंकर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधान मंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन अगले साल वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए मिलेंगे। इससे पहले अपनी शुरुआती टिप्पणी में जयशंकर ने कहा कि दोनों नेता लगातार संपर्क में हैं। भारत के प्रधान मंत्री और रूसी राष्ट्रपति के बीच शिखर वार्ता दोनों पक्षों के बीच रणनीतिक साझेदारी में सर्वोच्च संस्थागत संवाद तंत्र है अब तक भारत और रूस में बारी-बारी से 21 वार्षिक शिखर सम्मेलन हो चुके हैं। पिछला शिखर सम्मेलन दिसंबर 2021 में नई दिल्ली में हुआ था। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस और भारत के बीच व्यापार कारोबार बढ़ रहा है, विशेष रूप से कच्चे तेल और उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के कारण। उन्होंने कहा, हमारा व्यापार कारोबार लगातार दूसरे वर्ष एक ही समय पर और स्थिर गति से बढ़ रहा है। इस वर्ष विकास दर पिछले वर्ष की तुलना में और भी अधिक है। मंगलवार को, जयशंकर ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग पर उप प्रधान मंत्री डेनिस मंटुरोव के साथ एक व्यापक और सार्थक बैठक की, जिसके दौरान वे कुडनकुलम तमिलनाडु में परमाणु ऊर्जा संयंत्र की भविष्य की बिजली उत्पादन इकाइयों के निर्माण से संबंधित कुछ बहुत महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर करते दिखे। यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बावजूद भारत और रूस के बीच संबंध मजबूत बने रहे। भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा नहीं की है और वह कहता रहा है कि संकट को कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। कई पश्चिमी देशों में इसको लेकर बढ़ती

बेचैनी के बावजूद भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात काफी बढ़ गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569